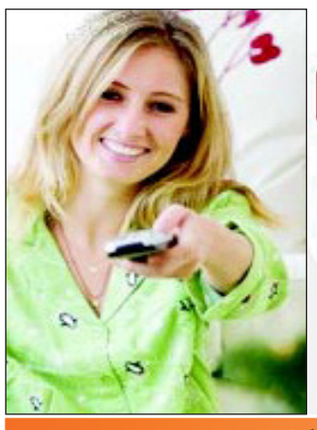

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बार-बार डकार आ रही है तो ये घरेलू उपाय आएंगे काम पेज: 7

एमएस सु बुलक्ष्मी का किरदार निभाएंगी रश्मिका मंदाना? पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 75 | बुधवार 17 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

राजौरी में एलओसी के पास बड़ा हादसा, ग्रेनेड ब्लास्ट में जेसीओ समेत 4 जवान घायल

नई दिल्ली एजेंसी: जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास गश्त के दौरान एक दुखद घटना हुई, जिसमें ग्रेनेड के अचानक फटने से भारतीय सेना के चार जवान घायल हो गए। खबरों के मुताबिक, यह घटना नौशेरा सेक्टर में तब हुई जब एलओसी पर तैनात कुमाऊं रेजिमेंट यूनिट के जवान नियमित गश्त कर रहे थे। ऑपरेशन के दौरान, कथित तौर पर एक मल्टी-मोड ग्रेनेड गलती से फट गया, जिससे एक जूनियर कमीशंड ऑफि सर (जेसीओ) और तीन जवान घायल हो गए। रूटीन पेट्रोलिंग के दौरान धमाका हुआ सूत्रों के मुताबिक, यह धमाका तब हुआ जब सैनिक संवेदनशील बॉर्डर इलाके में रेगुलर निगरानी और सुरक्षा ड्यूटी के तहत आगे के इलाके से गुजर रहे थे। अचानक हुए इस धमाके में चार जवान घायल हो गए

राजनाथ सिंह के घर आधी रात तक बीजेपी-आरएसएस नेताओं ने किया मंथन, पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई सूची तैयार

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई लंबी बैठक के बाद अब पार्टी संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर बड़े बदलावों की चर्चा तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हुई करीब चार घंटे लंबी बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन तथा संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी अरुण कुमार और शिव प्रकाश शामिल रहे। यह बैठक देर रात तक चली और इसके बाद से यह माना जा रहा है कि भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा कभी भी की जा सकती है। पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जी-7 शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद ही अंतिम घोषणा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार भाजपा संगठन में बड़े स्तर पर फेरबदल की तैयारी पूरी हो चुकी

है। केवल संगठन ही नहीं, बल्कि राज्यपालों की नियुक्तियों और सरकार से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण बदलावों की भी संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर यह चर्चा है कि अधिक मास की अवधि समाप्त होने के बाद अब धार्मिक दृष्टि से भी ऐसे निर्णयों में कोई बाधा नहीं रह गई है। इसलिए संगठनात्मक और प्रशासनिक बदलावों की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ सकती है। सूत्रों के अनुसार भाजपा संगठन में बड़े स्तर पर फेरबदल की तैयारी पूरी हो चुकी है। केवल संगठन ही नहीं, बल्कि राज्यपालों की नियुक्तियों और सरकार से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण बदलावों की भी संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर यह चर्चा है कि अधिक मास की अवधि समाप्त होने के बाद अब धार्मिक दृष्टि से भी ऐसे निर्णयों में कोई बाधा नहीं रह गई है। इसलिए संगठनात्मक और प्रशासनिक बदलावों की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ सकती है। हम आपको बता दें कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम को लेकर पार्टी में काफी उत्सुकता है। बताया जा रहा है कि नई टीम में ग्यारह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और छह राष्ट्रीय महासचिव बनाए जा सकते हैं। पार्टी नेतृत्व इस बार

बल्कि राज्यपालों की नियुक्तियों और सरकार से जुड़े कुछ.....

सूत्रों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी संगठन में बड़े स्तर पर फेरबदल की तैयारी पूरी हो चुकी है। केवल संगठन ही नहीं, बल्कि राज्यपालों की नियुक्तियों और सरकार से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण बदलावों की भी संभावना जताई जा रही है।

जातीय और सामाजिक संतुलन पर विशेष ध्यान देने की तैयारी में है। महिला प्रतिनिधित्व को भी पहले से अधिक महत्व दिए जाने की संभावना है। साथ ही युवा और अनुभवी नेताओं के बीच संतुलन बनाए रखने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार अगले वर्ष जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां के नेताओं को भी संगठन में प्रमुख जिम्मेदारियां दी जा सकती हैं। गुजरात, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे चुनावी राज्यों के साथ राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से भी नेताओं को नई टीम में जगह मिलने की संभावना है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार जनवरी 2020 में जेपी नड्डा के अध्यक्ष बनने के बाद से राष्ट्रीय संगठन में बहुत कम बदलाव हुए हैं। ऐसे में यह फेरबदल आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी ने हाल के दिनों में संकेत भी देने शुरू कर दिए हैं। इसी महीने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ को राज्यसभा भेजा गया है। दोनों नेताओं को संगठन और चुनावी रणनीति में मजबूत माना जाता है। इनके साथ राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर और राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सतीश पूनिया को भी उच्च सदन में भेजा गया है। इसे संगठन में व्यापक पुनर्संरचना की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरी ओर कुछ नेताओं के भविष्य को लेकर भी अटकलें तेज हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर राधा मोहन दास अग्रवाल का राज्यसभा कार्यकाल आगे नहीं बढ़ाया गया है। वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और जार्ज कुरियन का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है और उनके स्थान पर नए चेहरों को अवसर दिए जाने की संभावना है। वरिष्ठ नेता अरुण सिंह भी नवंबर में सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

भवानीपुर में हार नहीं मानी, सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचीं ममता बनर्जी

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में भवानीपुर सीट पर विधानसभा चुनाव के नतीजों को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है; इस सीट पर वह शुभेंदु अधिकारी से हार गई थीं। विधायक रिताब्रता बनर्जी ने 58 विधायकों के समर्थन से राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर अपना दावा पेश किया; इसके बाद, सांसद काकोली घोष ने 19 बागी सांसदों के समर्थन से अलग होने और बीजेपी के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) का समर्थन करने की इच्छा खुलकर जाहिर की। एजेयूपी अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने मंगलवार को कहा कि अगर ममता बनर्जी रेजीनगर विधानसभा सीट या बशीरहाट

लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का फैसला करती हैं, तो वे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का समर्थन करेंगे। रेजीनगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं क्योंकि मौजूदा विधायक हुमायूं कबीर ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में दो सीटें जीती थीं और कानून के मुताबिक उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। कबीर ने मंगलवार को कहा, "उन्हें (ममता को) तय करना होगा कि वह चुनाव लड़ना चाहती हैं या नहीं। अगर उन्हें मेरे समर्थन की जरूरत होगी, तो मैं उनका समर्थन करूंगा। अगर वह रेजीनगर से चुनाव लड़ती हैं, तो मैं उनकी जीत के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। अगर वह बशीरहाट से चुनाव लड़ती हैं और मेरा समर्थन मांगती हैं, तो मैं उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारूंगा। मौजूदा सांसद हाजी शेख नूरुल इस्लाम के निधन के कारण बशीरहाट लोकसभा सीट पर भी उपचुनाव होने हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद राहुल सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अंदरूनी झगड़े में शामिल नहीं होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी पाए जाने वाले लोगों को सजा मिलनी चाहिए, चाहे उनका पद कोई भी हो। सिन्हा ने एएनआई से कहा कि हम टीएमसी की लड़ाई में शामिल नहीं होंगे। उन्हें अपना अंदरूनी झगड़ा खुद ही सुलझाना चाहिए। टीएमसी के अभिषेक बनर्जी का ज़िक्र करते हुए, बीजेपी सांसद ने आरोप लगाया कि वह कई घोटालों से जुड़े हैं

बार-बार पेपर लीक से नाराज प्रियंका गांधी, बोलीं- व्यवस्थागत सुधार की है तुरंत जरूरत

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बार-बार परीक्षा के पेपर लीक होने से प्रभावित छात्रों के प्रति एकजुटता जताई और सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों से अपील की कि वे छात्रों और उनके परिवारों की मुश्किलों को समझें। 16 जून को इस मुद्दे पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी, जिनकी सार्वजनिक ज़िम्मेदारी है, हमें छात्रों के साथ खड़ा होना चाहिए और यह समझना चाहिए कि वे किस तरह की मुश्किलों और तकलीफों से गुजरे हैं। हर पेपर लीक हो जाता है। उनके माता-पिता उनके लिए कर्ज.ले रहे हैं। गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि यह समस्या अलग-थलग नहीं है, बल्कि एक गहरी व्यवस्थागत समस्या का संकेत है जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा

कि एक गहरी व्यवस्थागत समस्या है, और हमें इसे मिलकर हल करना चाहिए। पेपर लीक कोई एक बार की समस्या नहीं है; यह बनी हुई है। हमें बदलाव लाने की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों की जरूरत पर जोर दिया, ताकि छात्रों का भरोसा बहाल हो सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि लगातार हो रही अनियमितताओं की वजह से उनकी मेहनत बेकार न जाए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, युवाओं से जुड़े मुद्दों और कथित परीक्षा घोटालों के खिलाफ कांग्रेस के अभियान के तहत, पूरे भारत में बड़े छात्र सम्मेलनों की एक श्रृंखला का नेतृत्व करेंगे। इसकी शुरूआत 17 जून को कोटा से होगी। कांग्रेस के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने घोषणा की कि आगे के कार्यक्रम 10 जुलाई को इलाहाबाद, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में छात्र, नौकरी के इच्छुक उम्मीदवार, युवा संगठन और शिक्षक एक साथ आएंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि राहुल गांधी बड़े छात्र सम्मेलनों की एक सीरीज करेंगे, जिसकी शुरूआत कोटा (17 जून), इलाहाबाद (10 जुलाई), पटना (11 जुलाई) और दिल्ली (14 जुलाई) से होगी। इन सम्मेलनों में छात्र, परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा, युवा संगठन, शिक्षक और वे सभी लोग शामिल होंगे जो परीक्षा से जुड़े घोटालों से सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं।

'जो जाना चाहते हैं, जाएं' : उद्धव ठाकरे का 'ऑपरेशन टाइगर' पर कड़ा संदेश, महाराष्ट्र में उबाल

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना के कथित ऑपरेशन टाइगर को लेकर अटकलें जारी हैं। इस बीच, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी के सांसदों के साथ बैठक में मजबूती दिखाने की कोशिश की, जबकि दोनों गुटों के नेता घटनाओं के बारे में बिल्कुल अलग-अलग बातें कह रहे हैं। बैठक में मौजूद सूत्रों के अनुसार, ठाकरे ने सांसदों से कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे आजाद हैं और वे उनके अच्छे भविष्य की ही कामना करेंगे। 2022 में हुई बगावत, जिससे शिवसेना दो हिस्सों में बंट गई थी, उस पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब वे मुख्यमंत्री थे, तब भी उन्हें इन घटनाक्रमों की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने किसी पर भी पार्टी में बने रहने के लिए दबाव नहीं डाला। ठाकरे ने सांसदों से कहा कि चार साल पहले पार्टी में बड़ी टूट हुई थी। चालीस विधायक पार्टी छोड़कर चले गए थे। क्या आपको लगता है

कि मुझे पता नहीं था कि क्या हो रहा है? कहा जाता है कि उन्होंने यह भी कहा था कि जिन लोगों ने बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना छोड़ी है, उन्हें आखिरकार अपने फैसले पर पछतावा होगा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। उन्होंने आगे कहा कि हो सकता है कि आज मेरा समय न हो, लेकिन कल जरूर मेरा समय आएगा। तब तक हमें डटे रहना होगा और हिम्मत बनाए रखनी होगी। हालांकि, आज दिल्ली में शिवसेना सांसद संजय राउत ने उन खबरों का कड़ा विरोध किया जिनमें कहा गया था कि ठाकरे ने नेताओं से कहा था कि वे चाहें तो पार्टी छोड़ सकते हैं। राउत, जो पूरी बैठक के दौरान मौजूद थे, ने जोर देकर कहा कि पार्टी प्रमुख ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने यह नहीं कहा कि जो लोग जाना चाहते हैं वे चले जाएं, और वे कभी ऐसी बात नहीं कहेंगे। ठाकरे के नेतृत्व करने के तरीके का बचाव करते हुए राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में ऐसा कोई नेता नहीं है जो शिवसेना (यूटीबी) प्रमुख जितने पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलता हो।

फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन से पीएम मोदी का दुनिया को बड़ा संदेश, सस्टेनेबल प्लैनेट के लिए भारत प्रतिबद्ध

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वह फ्रांस के एवियन-लेस-बेन्स शहर में जी7 शिखर सम्मेलन में दुनिया के नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं। दुनिया के सात प्रमुख औद्योगिक देशों (जी7) के नेता शिखर सम्मेलन में बातचीत के अपने पहले पूरे दिन की बैठक कर रहे हैं, जिसकी शुरूआत आधिकारिक तौर पर सोमवार को हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि वह जी7 शिखर सम्मेलन के लिए फ्रांस के एवियन पहुँच गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत "एक ज्यादा टिकाऊ और समृद्ध ग्रह के लिए सामूहिक प्रयासों" को आगे बढ़ाने के लिए "पूरी तरह प्रतिबद्ध" है। इससे पहले मंगलवार (स्थानीय समय) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि स्लोवाकिया की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद वे स्विट्जरलैंड के जिनेवा पहुँच गए हैं। फ्रांस 15 से 17 जून तक होने वाले 52वें जी7 शिखर सम्मेलन का मेजबान देश है। दुनिया के सात प्रमुख औद्योगिक देशों के समूह 'जी7' में फ्रांस, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, जापान, इटली और कनाडा शामिल हैं। भारत भी एक सहयोगी देश के तौर पर 13वीं बार जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहा है और यह सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी की इस बैठक में लगातार सातवीं भागीदारी होगी। स्लोवाकिया की अपनी यात्रा के समापन पर प्रधानमंत्री ने इसे "ऐतिहासिक और फलदायी" बताया और कहा कि इस यात्रा के नतीजे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेंगे। भारत-स्लोवाकिया संबंधों की गर्मजोशी को दर्शाते हुए, स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने यात्रा पूरी होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी को व्यक्तिगत रूप से विदा किया।

तमिलनाडु में पैदा होने वाले हर बच्चे पर 1.28 लाख रुपये का कर्ज, विजय सरकार का श्वेत पत्र

नई दिल्ली एजेंसी: विजय के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा राज्य की आर्थिक स्थिति पर जारी एक श्वेत पत्र के अनुसार, तमिलनाडु की कुल वित्तीय देनदारियां बढ़कर अनुमानित 13.18 लाख करोड़ रुपये हो गई हैं, और राज्य का बकाया प्रत्यक्ष कर्ज 10 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। वित्त मंत्री एन. मैरी विल्सन द्वारा पेश की गई वित्तीय स्थिति रिपोर्ट में बताया गया है कि एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार के तहत पिछले पांच वर्षों में राज्य पर कर्ज का बोझ लगभग दोगुना हो गया है और तमिलनाडु में पैदा होने वाले हर बच्चे पर असल में 1.28 लाख रुपये का कर्ज है। तमिलनाडु की आर्थिक स्थिति पर 'श्वेत पत्र' जिसमें पिछली एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार से मिली वित्तीय स्थिति की समीक्षा की गई है। विजय द्वारा पिछले महीने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद की गई पहली बड़ी घोषणाओं में से एक था। डॉक्यूमेंट के अनुसार, राज्य का सीधा कर्ज.

पांच साल पहले के लगभग 4.8 लाख करोड़ रुपये से तेजी से बढ़कर अभी लगभग 10 लाख करोड़ रुपये हो गया है। जब ऑफ-बजट उधार, गारंटी और दूसरी देनदारियों को भी इसमें शामिल किया जाता है, तो राज्य पर कुल वित्तीय बोझ का अनुमान 13.18 लाख करोड़ रुपये लगाया जाता है। मंत्री ने कहा कि पिछले पांच सालों में जमा हुआ कर्ज, उससे पहले के छह दशकों में जमा हुए कुल कर्ज.से भी ज्यादा है। उन्होंने आगे कहा कि उधार का एक बड़ा हिस्सा इंफ्रास्ट्रक्चर एसेट्स बनाने के बजाय रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने में इस्तेमाल किया गया है। तमिलनाडु का बकाया कर्ज.-जीएसडीपी अनुपात 28.2 प्रतिशत है, जबकि पिछले पांच सालों में रेवेन्यू घाटा 46,538 करोड़ रुपये से बढ़कर 78,324 करोड़ रुपये हो गया है, जो रेवेन्यू प्राप्ति और खर्च के बीच बढ़ते अंतर को दिखाता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सरकार की हर एक रुपये की कमाई में से 22.8 पैसे ब्याज चुकाने में खर्च होते हैं, जो राज्य की आर्थिक स्थिति पर कर्ज के बढ़ते बोझ को दिखाता है। रिपोर्ट में रेवेन्यू (कमाई) जुटाने को लेकर भी चिंता जताई गई है।

एएपी की गोवा सरकार को चेतावनी: 31 जुलाई तक बिजली समस्या नहीं सुलझी तो होगा आंदोलन

नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी ने बिजली से जुड़ी समस्याओं को लेकर गोवा सरकार के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। पार्टी का आरोप है कि जरूरी सेवाओं के लिए पैसे चुकाने के बावजूद ग्राहकों को बढ़े हुए बिजली बिल, बकाया राशि के बोझ और बार-बार बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। पणजी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, एएपी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूरे राज्य में बिजली की समस्याओं को लेकर लोगों में गुस्सा बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार के सामने तीन मुख्य मांगें रखीं: हर घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाए, 15 जून तक का बिजली का बकाया पूरी तरह माफ किया जाए, और 24 घंटे बिना रुकावट बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने के उपाय किए जाएं। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि कई ग्राहकों को गलत बिल और पेनल्टी चार्ज मिले हैं, जबकि बहुत से लोग जमा हुए बकाया बिलों की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जनवरी 2024 से मई 2025 के बीच गोवा में लगभग 19,000 बार बिजली कटौती हुई, जो बिजली

सेक्टर के मैनेजमेंट में कमियों को दिखाता है। यह कहते हुए कि भरोसेमंद बिजली सप्लाई बेहतर प्रशासन का मामला है, केजरीवाल ने कहा कि सरकार को ग्राहकों की चिंताओं को दूर करने के लिए तुरंत

आम आदमी पार्टी (एएपी) ने गोवा में बिजली संकट को लेकर राज्य सरकार पर कड़ा प्रहार किया है, उच्च बिलों, बकाया राशि और लगातार कटौती का आरोप लगाया। पार्टी ने 31 जुलाई तक प्रत्येक घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली, 15 जून तक बकाया बिलों की पूर्ण माफी और 24 घंटे निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की

सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 31 जुलाई तक मांगें पूरी नहीं हुईं, तो एएपी इस मुद्दे पर राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। एएपी विधायक वेंजी विएगास ने कहा कि अगर सरकार मांगों पर कार्रवाई नहीं करती है तो पार्टी इस मुद्दे को सीधे जनता के बीच ले जाएगी। उन्होंने युवाओं और विपक्षी नेताओं से आंदोलन में शामिल होने का आग्रह करते हुए कहा कि बिना रुकावट बिजली सप्लाई और बिजली की ऊंची कीमतों से राहत गोवा के हर घर से जुड़े मुद्दे हैं। एएपी गोवा के अध्यक्ष अमित पालेकर ने भी बिजली सेक्टर को लेकर सरकार के कामकाज की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ज्यादा टैरिफ देने के बावजूद लोगों को बार-बार बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। बिजली की समस्याओं को लेकर हाल ही में हुए विरोध-प्रदर्शनों का ज़िक्र करते हुए

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस मामले पर सार्वजनिक बयान तो दिए हैं, लेकिन अब तक कोई आधिकारिक फैसला या नोटिफि केशन जारी नहीं किया गया है। पार्टी का कहना है कि उपभोक्ता सिर्फ. आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहते हैं। पार्टी ने राज्य भर में तुरंत राहत और बेहतर बिजली सेवाएँ देने की अपनी माँग को फिर से दोहराया।

संपादकीय

डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ

भारत में सामान्यतः उत्पादों पर गुणवत्ता व उपयोग-तिथि के दावों के बावजूद उसके सेहत से जुड़े सरोकार सवालों के घेरे में रहे हैं। यह आम धारणा बनी हुई है कि कुछ लोग मुनाफे के लिए सामान की एक्सपाइरी डेट दर्ज करने में हेरफेर करने तक से नहीं चूकते। यह भी विश्वास से नहीं कहा जा सकता है कि सामान में शामिल घटकों का विवरण ईमानदारी से लेबल पर दर्ज किया गया हो। गाहे-बगाहे मीडिया व उपभोक्ता अदालतों में ऐसे मामलों की गूंज रहती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से संवेदनशील लोगों के जीवन पर सही लेबलिंग से आंच नहीं आ सकती। इसी के मद्देनजर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफ.एस.एस.ए.आई. द्वारा कई खाद्य कंपनियों को गुमराह करने वाले ट्रेड नाम के इस्तेमाल और सेहत से जुड़े दावों के लिए नोटिस जारी करना, निश्चय ही एक स्वागतयोग्य कदम है। अक्सर प्रतिष्ठित उत्पाद वाली कंपनियों के लेबल लगाकर हल्के सामान बेचने के मामले भी उजागर होते हैं। हकीकत है कि आकर्षक पैकेजिंग के जरिये उत्पाद की न्यूट्रिशन से जुड़ी जानकारी को पार्श्व में डाल दिया जाता है। विडंबना यह है कि देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित नहीं हो पाया है जो लगातार जनहित में खाद्य उत्पादों की जांच-पड़ताल कर सके। निश्चित रूप से रेगुलेटरी संस्था की निगरानी सिर्फ कभी-कभार नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इस तरह की कार्रवाई कुछ समय के लिए तो सुर्खियां बनती हैं लेकिन फिर लोगों को इसकी याद कम ही रह जाती है। इस तरह की पहल को ग्राहकों की सुरक्षा में पारदर्शिता, जवाबदेही और जागरूकता पर आधारित लगातार चलने वाले एक राष्ट्रीय मिशन का रूप दिया जा सकता है। निश्चित रूप से लाखों भारतीयों के लिए खाने की चीजों पर लेबलिंग सेहत से जुड़ा मामला है। मसलन कशेरुक रोग से पीड़ित लोग ग्लूटेन से बचने के लिए लेबलिंग पर लिखी जानकारी पर निर्भर रहते हैं, क्योंकि यह उनकी आंतों को नुकसान पहुंचा सकता है।

चिंतन-मनन

बल और बुद्धि में संतुलन जरुरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है? दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा। वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा-हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका। बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है। बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा। विवेक ने कहा-बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो। जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं। भगवान श्रीकृष्ण को पता चला कि सुदामा उनसे मिलने आए हैं तो वे सुदामा को लाने के लिए नंगे पाव दौड़ पड़े।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

राम नाम जपना, पराया माल अपना: अयोध्या में चोरी

दिलीप कुमार पाठक

अयोध्या के राम मंदिर में चोरी हो गई है! जी हां, इस बार चोरों ने भगवान का सोने का मुकुट या गर्भगृह के आभूषण नहीं छुए, बल्कि सीधे श्रद्धालुओं के उस चढ़ावे और दान पर हाथ साफ कर दिया जिसे देश-दुनिया के लोगों ने अपनी अगाध श्रद्धा से अर्पित किया था। मंदिर के दानपात्रों से करोड़ों रुपये गायब होने की इस सनसनीखेज खबर ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आनन-फानन में एसआईटी का गठन कर दिया गया है। लखनऊ के कमिश्नर की अगुवाई में जांच टीम अयोध्या के कोने-कोने को खंगाल रही है, संदिग्धों से पूछताछ हो रही है और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। लेकिन आइए, पुलिसिया कार्रवाई से हटकर जरा इस सच्चाई को देखना जरूरी हो गया है।

यह चोरी सिर्फ नोटों की गड्डियों की नहीं है, यह असल में हम इंसानों के भरोसे और हमारी भक्ति की चोरी है। हम अक्सर बड़े चाव से गाते और सुनते हैं कि राम जी की मर्जी के बिना इस दुनिया में एक पत्ता भी नहीं हिलता, लेकिन हैरानी की बात है कि मंदिर के भीतर तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों के कड़े पहरे में, भारी सुरक्षा तंत्र के बीच, करोड़ों रुपये हिल गए, गायब हो गए और वहां मौजूद जिम्मेदार लोगों को भनक तक नहीं लगी। सबसे बड़ा दुर्भाग्य तो उन लोगों पर है जो चौबीसों घंटे राम नाम की माला जपते हैं, दूसरों को ईमानदारी का पाठ पढ़ाते हैं, पर मौका मिलते ही इस घिनौने खेल में शामिल हो जाते हैं।

जांच में पता चला है कि दान की रकम गिनने वाले कुछ सेवादारों के घरों से लाखों का कैश बरामद हुआ है। जो कर्मचारी कुछ महीने पहले तक बीस-पच्चीस हजार की मामूली नौकरी पर आए थे, वे आज करोड़ों की जमीनों के सौदे कर रहे हैं। इसे ही शायद कलयुग का राम नाम जपना, पराया माल अपना वाला चमत्कार कहते हैं। त्रिलोक के स्वामी की आंखों के सामने ऐसा दुस्साहस करने वालों को भगवान का जरा भी डर नहीं रहा। टीवी चैनलों पर चिल्ला-चिल्लाकर बहसें हो रही हैं कि चोर कौन है? लेकिन कोई यह नहीं पूछ रहा कि जिस पावन मंदिर के नाम पर देश के आम नागरिकों की भावनाओं को जोड़ा गया, वहां पैसे गिनने वाले हाथ इतने अपवित्र कैसे हो गए? क्या उन्हें इस बात का बिल्कुल अहसास नहीं था कि वे भगवान के घर में ही सेंध लगा रहे हैं? यह पूरी घटना हमारे समाज के उस पाखंड का सजीव आईना है, जहां हम पत्थरों की भव्यता और सोने की चमक में इतने अंधे हो चुके हैं कि धर्म के नाम पर चलने वाली दुकानों को देखना ही नहीं चाहते। हम वीआईपी पास लेकर गर्व से दर्शन तो करते हैं, लेकिन व्यवस्था के भीतर पनप रहे इस सड़ांध पर आंखें मूंद लेते हैं।अब एसआईटी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, कुछ मोहरे पकड़े जाएंगे और जेल जाएंगे। लेकिन इस चोरी ने हर उस गरीब और सच्चे भक्त का दिल छलनी कर दिया है, जिसने भूखे पेट रहकर भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक रुपया रामलला के चरणों में अर्पित किया था। राम जी तो घट-घट वासी हैं, वे सब देख रहे हैं। वे शायद मन ही मन मुस्कुराते हुए सोच रहे होंगे कि यह इंसान भी कितना अजीब जीव है; मेरे ही नाम पर आलीशान महल बनाता है, पूरी दुनिया से चंदा मांगता है, और फिर मौका मिलते ही मेरी ही जेब काट लेता है।

महाराणा प्रताप जयंती - वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के अमर प्रतीक

कांतिलाल मांडोत

भारत के इतिहास में अनेक ऐसे महापुरुष हुए हैं जिन्होंने अपने साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम से आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया। ऐसे ही महान योद्धाओं में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ के शासक ही नहीं थे, बल्कि वे भारतीय स्वाभिमान, स्वतंत्रता और अदम्य साहस के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि, संस्कृति और सम्मान की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। यही कारण है कि सदियों बाद भी उनका नाम करोड़ों भारतीयों के हृदय में श्रद्धा और गौरव के साथ लिया जाता है।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। वे मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश के महान शासक थे। उनके पिता महाराणा उदयसिंह द्वितीय और माता जयवंता बाई थीं। बचपन से ही प्रताप में वीरता, नेतृत्व क्षमता और स्वाभिमान के गुण दिखाई देने लगे थे। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी माता से ही साहस, शौर्य और युद्धकला की प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी। आगे चलकर यही गुण उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान योद्धाओं में शामिल करने वाले बने।

महाराणा प्रताप की जयंती को लेकर देशभर में विशेष उत्साह रहता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार उनका जन्म 9 मई 1540 को हुआ था, इसलिए अनेक स्थानों पर इसी दिन जयंती समारोह आयोजित किए जाते हैं। वहीं मेवाड़ क्षेत्र में सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार उनकी जयंती हिन्दू पंचांग की ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया तिथि को मनाई जाती है। वर्ष 2026 में यह तिथि 17 जून को पड़ रही है। मेवाड़ के लोगों के लिए यह केवल एक जयंती नहीं बल्कि अपनी गौरवशाली विरासत और संस्कृति का उत्सव है।

महाराणा प्रताप का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। जब वे मेवाड़ के शासक बने, उस समय मुगल सम्राट अकबर अपनी सत्ता का विस्तार कर रहा था। अधिकांश राजपूत राजाओं ने अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली थी, लेकिन महाराणा प्रताप ने अपने स्वाभिमान और स्वतंत्रता से कभी समझौता नहीं किया। अकबर ने कई बार दूत भेजकर उन्हें अपनी अधीनता स्वीकार करने का प्रस्ताव दिया, किंतु प्रताप ने हर बार उसे अस्वीकार कर दिया। उनका मानना था कि मातृभूमि की स्वतंत्रता किसी भी कीमत पर नहीं बेची जा सकती।

महाराणा प्रताप और अकबर के बीच संघर्ष का सबसे प्रसिद्ध अध्याय हल्दीघाटी का युद्ध है। 18 जून 1576 को राजस्थान के गोगुंदा के समीप हल्दीघाटी में यह ऐतिहासिक युद्ध लड़ा गया। महाराणा प्रताप के पास सीमित संसाधन और अपेक्षाकृत छोटी सेना थी, जबकि मुगल सेना संख्या और साधनों में कहीं अधिक शक्तिशाली थी। इसके बावजूद प्रताप और उनके सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। इस युद्ध में भील समुदाय ने भी महाराणा का पूरा साथ दिया। युद्ध कई घंटों तक चला और रणभूमि वीरता की असंख्य गाथाओं की साक्षी बनी।

हल्दीघाटी के युद्ध का कोई निर्णायक परिणाम नहीं निकला, लेकिन इस युद्ध ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए लड़ी जाने वाली लड़ाई केवल संख्या या संसाधनों के आधार पर नहीं जीती जाती। महाराणा प्रताप घायल होने के बावजूद जीवित बचे और संघर्ष जारी रखा। उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी इस युद्ध में अपनी अद्भुत स्वामीभक्ति के कारण अमर हो गया। चेतक ने गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी अपने स्वामी को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया और फिर वीरगति को प्राप्त हुआ। आज भी चेतक का नाम निष्ठा और समर्पण के प्रतीक के रूप में लिया जाता है।

हल्दीघाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी। उन्होंने अरावली की पहाड़ियों, जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में रहकर संघर्ष जारी रखा। कई बार उन्हें और उनके परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। भोजन के अभाव में घास की रोटियां तक खानी पड़ीं, लेकिन उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि सच्चा नेतृत्व विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करता।

महाराणा प्रताप की सबसे बड़ी विशेषता उनका अटूट आत्मसम्मान था। उन्होंने जीवनभर स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व दिया। वे जानते थे कि संघर्ष कठिन है, फिर भी उन्होंने अपने लोगों और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए हर चुनौती स्वीकार की। यही कारण है कि उनका नाम भारतीय इतिहास में स्वतंत्रता के अग्रदूतों में लिया जाता है।

महाराणा प्रताप का राजतिलक उदयपुर के निकट गोगुंदा में हुआ था। यह स्थान आज भी राजतिलक स्थली के रूप में प्रसिद्ध है। इतिहास और संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए यह स्थल अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर यहां विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। श्रद्धालु और इतिहास प्रेमी बड़ी संख्या में पहुंचकर महान योद्धा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

हल्दीघाटी के समीप स्थित यह क्षेत्र आज भी महाराणा प्रताप की गौरवगाथा को जीवंत बनाए हुए है। उदयपुर से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित राजतिलक स्थली पर हर वर्ष कवि सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वीर रस की प्रस्तुतियां और ऐतिहासिक संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप के आदर्शों से परिचित कराना और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत बनाना है।

वर्ष 2026 में भी महाराणा प्रताप जयंती को लेकर देशभर में अनेक आयोजन प्रस्तावित हैं। उदयपुर में सात दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें भव्य शोभायात्रा, अश्व पूजन, महाआरती, वीर शहीदों का स्मरण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल हैं। मोतीमगरी स्थित महाराणा प्रताप स्मारक पर विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम होंगे। वहीं विभिन्न राज्यों और शहरों में भी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, संगोष्ठियां और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर स्थापित उनकी प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों का स्मरण किया जाएगा। यह दशार्ता है कि महाराणा प्रताप केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश की प्रेरणा हैं।

महाराणा प्रताप का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मन में साहस, आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम हो तो किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है। उन्होंने दिखाया कि सच्ची विजय केवल युद्धभूमि में नहीं, बल्कि अपने सिद्धांतों और मूल्यों पर अडिग रहने में होती है। उनका संघर्ष, त्याग और राष्ट्रनिष्ठा आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरित करती है।

आज जब हम महाराणा प्रताप जयंती मनाते हैं, तब यह केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेने का भी अवसर है। वीरता, स्वाभिमान, कर्तव्यनिष्ठा और मातृभूमि के प्रति समर्पण जैसे गुण ही महाराणा प्रताप की वास्तविक विरासत हैं। आने वाली पीढ़ियों तक इस विरासत को पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के उस उज्ज्वल नक्षत्र हैं जिनकी आभा कभी मंद नहीं पड़ सकती। उनका जीवन संघर्षों के बीच भी अडिग रहने, अपने सिद्धांतों के लिए जीने और राष्ट्र के सम्मान के लिए सर्वस्व न्योछावर कर देने की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि वे आज भी जन-जन के हृदय में अमर हैं और सदैव रहेंगे।

रिकॉर्ड के मोर्चे पर कौन भारी, कौन कमजोर

इस बार 11 जून की तारीख भारतीय इतिहास के लिए विशेष बनकर आई। इसी दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबसे ज्यादा दिन शासन चलाने का रिकॉर्ड कायम कर दिया। इसके पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा 4398 दिन प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम है। मौजूदा दौर विशेषकर विजुअल मीडिया के वर्चस्व का दौर है। विजुअल मीडिया की चूंकि उत्सवधर्मिता केंद्रित है, लिहाजा इस रिकॉर्ड को लेकर सत्ता पक्ष में उत्साह का माहौल होना ही था और ऐसा है भी। लेकिन इसे लेकर आलोचनाओं की बाढ़ भी आ गई है। विशेषकर प्रगतिशील खेमे से मोदी के इस रिकॉर्ड को लेकर तंज में आलोचनाएं की जा रही हैं। इन आलोचनाओं का भाव कुछ वैसे ही है, जैसे कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली। आलोचकों की नजर में कहावत के राजा भोज नेहरू हैं और गंगू मोदी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अरसा पहले संसद को संबोधित करते हुए देश के विकास में अतीत के हर प्रधानमंत्री के योगदान को याद किया था। इतिहास क्रम में हर प्रधानमंत्री ने कुछ न कुछ योगदान दिया ही है। हर प्रधानमंत्री की युगीन आवश्यकताएं और परिस्थितियां अलग रही हैं।

इसलिए अव्वल तो ऐसी तुलनाएं होनी ही नहीं चाहिए थी। क्योंकि नेहरू के युग में भारत की जो स्थिति थी, वह अब नहीं है। इतिहास का कोई खंड कठिन होता है तो कोई आसान। इसलिए इतिहास के काल खंड की बुनियाद पर उस दौर के शासक की परख होनी चाहिए। इसका मतलब यह नहीं कि भविष्य का शासक अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता।

प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जिस तरह का राजनीतिक माहौल स्थापित हो चुका है, उसमे अगर प्रगतिशील खेमा और कांग्रेस की आलोचना के केंद्र में मोदी ना रहें तो ही हैरत होगी। प्रगतिशील खेमा मोदी को कमतर दिखाने की कोशिश में नेहरू को सबसे ज्यादा दिनों तक प्रधानमंत्री दिखाने की कोशिश कर रहा है। इस आलोक में इतिहास के तथ्यों को जांचना जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि जब 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली, तब पंडित जवाहर लाल नेहरू ने ही देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन वह किसी एक दल विशेष यानी कांग्रेस की ही सरकार नहीं थी, बल्कि एक तरह से वह राष्ट्रीय सरकार थी, जिसमें अंबेडकर भी थे और श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी।

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ऐसा लगने लगा था कि भारत को आजादी मिल जाएगी। इस बीच ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार बनी और लॉर्ड एटली प्रधानमंत्री बने। एटली ने चुनावी वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी तो भारत को स्वाधीनता दी जाएगी। जब उन्होंने ब्रिटेन की कमान संभाल ली तो उन्होंने भारत को आजादी देने की प्रक्रिया तेज कर दी। इसी सिलसिले में 1946 में कैबिनेट मिशन भारत आया। मिशन के सामने सवाल यह था कि सत्ता का हस्तांतरण किसे किया जाएगा, क्योंकि उन दिनों भारत में दो बड़े और प्रमुख दल थे, कांग्रेस और मुस्लिम लीग। लेकिन सत्ता किसे सौंपी जाए, इस सवाल के साथ ही भारत की भावी सरकार और विधान को तैयार करने के लिए संविधान सभा का चुनाव 1946 में हुआ। इस चुनाव में कांग्रेस को 208 और मुस्लिम लीग को 73 सीटें मिलीं। दूसरे दलों और निर्दलीयों को 15 सीटें मिलीं थी। इसके पहले प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव हुए थे, जिसमें कांग्रेस को 923 और मुस्लिम लीग को 425 सीटें मिली थीं। कांग्रेस को सामान्य सीटों के नब्बे प्रतिशत हिस्से पर जीत मिली, मुस्लिम बहुल 87 प्रतिशत सीटों पर मुस्लिम लीग को जीत मिली। इसके बाद सबसे बड़ा दल होने के नाते कांग्रेस को ही सत्ता हस्तांतरण होना तय हुआ। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष का महत्व बढ़ गया। उन दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए अधिकांश प्रांतीय समितियों ने सरदार पटेल का नाम आगे किया था, जबकि कुछ ही प्रांतीय कांग्रेस समितियों ने जवाहर लाल नेहरू का नाम आगे किया। चूंकि गांधी जी पहले ही कह चुके थे कि उनके बाद जवाहर उनकी भाषा बोलेगा यानी सत्ता उन्हें मिलेगी, इसलिए वे ही अध्यक्ष बनाए गए। इसके बाद सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया के तहत 2 सितंबर 1946 को 'अंतरिम सरकार' का गठन हुआ, जिसमें नेहरू जी को 'वायसराय की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष' बनाया गया, उस पद का नाम प्रधानमंत्री नहीं था। इसे अंतरिम सरकार कहा गया। भले ही कुछ लोग सुविधा के लिए नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल को उसी दिन से मान लेते हैं। यहां याद करना जरूरी है कि वायसराय की कार्यकारी परिषद के पदेन अध्यक्ष खुद वायसराय लॉर्ड वेवेल थे। उनके बाद आए वायसराय माउंटबेटन इसके अध्यक्ष रहे।

देश को स15 अगस्त 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947' के तहत देश को आजाद घोषित किया गया। इस कानून के मूल पाठ में कहीं भी ₹प्राइम मिनिस्टर₹ या प्रधानमंत्री शब्द नहीं लिखा हुआ है। हालांकि पंद्रह अगस्त 1947 की आधी रात को नेहरू ने स्वाधीन सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली, भले ही वे उसके मुखिया थे। नेहरू ने अंग्रेजी में शपथ लेते हुए ह्यऑफिस ऑफ मिनिस्टरह्ल यानी मंत्री पद की शपथ ली थी, प्रधानमंत्री पद की नहीं। इसके बाद ही उन्होंने ह्यनियति से साक्षात्कारह्ल वाला प्रसिद्ध भाषण दिया था। यहां याद करना चाहिए कि भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत तत्कालीन गवर्नर-जनरल को ब्रिटिश सम्राट के प्रतिनिधि के रूप में दोनों उपनिवेशों भारत और पाकिस्तान का संवैधानिक प्रमुख नियुक्त किया गया था। जिन्हें सलाह देने और शासन चलाने के लिए एक मंत्रि परिषद का प्रावधान था। इस प्रावधान में प्रधानमंत्री या प्रीमियर या प्राइम मिनिस्टर का कोई पद नहीं है। गवर्नर-जनरल को इसी मंत्रि परिषद की सलाह पर शासन चलाना था।

मोदी को सबसे लंबे समय तक बतौर निर्वाचित प्रधानमंत्री काम करने के रिकॉर्ड को गलत साबित करने वाला प्रगतिशील तबके का तर्क है कि 1946 के चुनावों में कांग्रेस सबसे बड़ा दल बन कर उभरी और उसके निर्वाचित नेता के तौर पर नेहरू ने सरकार चलाई। लेकिन हकीकत यह है कि 1946 का चुनाव वयस्क मतदान के अधिकार और एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत के तहत नहीं हुआ था। तब वोटर होने की शर्त संपत्ति, शिक्षा, कर भुगतान आदि था। मुसलमान सिर्फ मुस्लिम बहुल सीटों के ही मतदाता थे। एक तरह से यह सार्वभौम वयस्क मतदान के अधिकार से रहित चुनाव था। इसलिए सही मायने में 1946 का चुनाव ना तो समानता और वयस्क मतदान के अधिकार से लैस था, न ही पूरे देश के मतदाताओं का प्रतिबिंब था। एक तरह से कहें तो यह सिर्फ दस प्रतिशत लोगों के मतदान की बुनियाद पर हुआ चुनाव था। जिसमें हर वयस्क की भागीदारी नहीं थी। उन दिनों धार्मिक आधार पर अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्र भी थे। इसलिए 1946 का चुनाव सही मायने में संतुलित मतदान नहीं था। स्वाधीन भारत में पहला आम चुनाव 1951 -52 के बीच हुआ। जिसमें कांग्रेस को 364 सीटें मिलीं। इसी नतीजे के आधार पर पंडित नेहरू ने 13 मई 1952 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और 27 मई 1964 को मृत्यु पर्यंत अपने पद पर रहे। इसी लिहाज से नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल 4398 दिन ही होता। आधुनिक सार्वभौम मतदान के अधिकार और सिद्धांत के लिहाज से देखें तो पंडित नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर असल कार्यकाल 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक का ही होता है।

रही बात नेहरू और मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों की, तो इसकी तुलना की जा सकती है। भारत की आजादी के वक्त देश में बीस विश्वविद्यालय थे, जिसे नेहरू ने अपने कार्यकाल में 64 तक पहुंचा दिया था। इस लिहाज से देखें तो मोदी के कार्यकाल में देश में साढ़े पांच सौ से ज्यादा विश्वविद्यालय हो चुके हैं। नेहरू समर्थक कह रहे हैं कि आजादी के वक्त देश में 15 मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या बढ़ाकर नेहरू ने 81 कर दी थी। लेकिन जब मोदी ने कार्यकाल संभाला तो देश में 393 मेडिकल कॉलेज थे, जिसे उन्होंने 818 तक कर दिया है। 431 मेडिकल कॉलेज तो 2014 के बाद ही बने हैं। बेशक नेहरू अपनी विदेश नीति के लिए जाने जाते हैं, लेकिन मोदी ने भारत के स्वत्व बोध को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खूब बढ़ाया है।

अमरोहा
बुधवार 17 जून 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में बच्चों का हुआ भव्य स्वागत

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- लंबी छुट्टियों के बाद स्कूल की घंटियां फिर से बज उठीं और विद्यालयों के प्रांगण में बच्चों की चहचहाहट वापस लौट आई है। मंगलवार को विकास क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में ग्रीष्मकालीन अवकाश के उपरांत विद्यालय खुलने के पहले दिन का दृश्य अत्यंत उत्साहजनक और हृदयस्पर्शी रहा। लंबे समय बाद छात्र-छात्राओं का विद्यालय पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय प्रशासन द्वारा बच्चों के स्वागत के लिए विशेष तैयारी की गई थी। जैसे ही बच्चे विद्यालय के मुख्य द्वार पर पहुंचे, उन्हें तिलक लगाकर और फूलों की मालाएं पहनाकर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। विद्यालय के प्रांगण में फूलों की खुशबू और बच्चों के चेहरों पर सजी मुस्कान ने वातावरण को और भी खुशनुमा बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि, "विद्यार्थी विद्यालय की असली शोभा हैं। आज बच्चों को दोबारा विद्यालय में देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।" उन्होंने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे अब से प्रतिदिन नियमित रूप से विद्यालय आएं और पूरे मनोयोग के साथ अपनी शिक्षा ग्रहण करें, ताकि वे भविष्य में अपने सपनों को साकार कर सकें। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सहायक अध्यापकों का पूर्ण सहयोग रहा। इस दौरान अजय सागर, अमित कुमार, मनीष कुमार, रेनू कंसल, राशिद अली और संतराम सिंह सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

जोया के मिठनपुर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम, महिलाओं को बताए गए कानूनी अधिकार

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल, निःशुल्क विधिक सहायता की दी जानकारी

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा सचिव अभिषेक कुमार व्यास के निर्देशन में विकास खंड जोया के ग्राम मिठनपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता, बैंक ऋण संबंधी जानकारी तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम में महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण कानून, संपत्ति में महिलाओं के अधिकार, बाल विवाह निषेध अधिनियम, महिला हेल्पलाइन सेवाओं तथा निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर अधिकार मित्र महेश सिंह ने कहा कि प्रत्येक महिला को अपने अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। जागरूक महिला न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती है, बल्कि समाज में अन्य महिलाओं को भी सशक्त एवं जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने महिलाओं से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा आसपास की महिलाओं को भी कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विधिक विषयों से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। यह कार्यक्रम महिलाओं को न्याय तक सरल पहुंच सुनिश्चित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

गांव कुदैना चक में नदी की जमीन पर ग्रामीणों का कब्जा, लेखपाल करेंगे जांच

ग्रामीणों ने कहा पूर्व प्रधान से खरीदी थी नदी की जमीन, कब्जाई जमीन पर कुछ मकान बन गये,कुछ का निर्माण कार्य जारी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर ब्लॉक क्षेत्र के एक गांव में नदी की जमीन पर ग्रामीणों द्वारा कब्जा करने का मामला सामने आया है। इस मामले में गांव निवासी कुछ लोगों ने इसका विरोध किया एवं संबंधित अधिकारियों को इसके बारे में सूचना दी जिसके बाद मौके पर पहुंचे संबंधित लेखपाल ने नदी की जमीन पर चल रहे मकान के निर्माण कार्य को रुकवा दिया और मामले की जांच करने की बात कही। बता दें कि पूरा मामला हसनपुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव कुदैना चक है जहां पर कुछ ग्रामीणों द्वारा नदी की भूमि पर अवैध कब्जा करके उस पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस मामले में गांव निवासी कुछ लोगों ने विरोध जताते हुए नदी के पास खड़े होकर प्रदर्शन किया और मामले की सूचना अधिकारियों को दी। सूचना पाकर संबंधित लेखपाल मौके पर पहुंचे जिन्होंने निर्माण कार्य को रुकवाया और कब्जा करने वाले लोगों को मामले में जांच करने की बात कही। इस मामले में कुछ ग्रामीणों का कहना है कि यह नदी की जमीन है जो नक्शे में भी स्पष्ट रूप से दर्शाई गई,पूर्व प्रधान द्वारा कुछ जमीन इन लोगों से पैसे लेकर कब्जा कराई गई थी जिस पर यह लोग आज निर्माण कार्य कर रहे हैं उनका कहना है कि नदी की जमीन पर कुछ लोगों के द्वारा कब्जा कर मकान बना दिए गए हैं। गांव निवासी विक्रम सिंह ने बताया कि नदी की जमीन में तो कुछ हिस्सा हमारा भी आता है लेकिन हमें गांव की सुविधा हेतु उससे कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि गांव का गंदा पानी इसी में जाकर एकत्र होता है जिससे गांव में रास्तों पर कीचड़ आदि का लोगों को सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन पूर्व प्रधान द्वारा इन लोगों को यह जमीन सस्ते में बेच दी गई। वहीं इस मामले में वर्तमान प्रधान ने बताया कि पूर्व प्रधान द्वारा इन लोगों को जमीन बेची गई है जिस पर यह अपना कब्जा कर निर्माण कार्य कर रहे है जो अवैध है और गलत भी है। इससे गांव के लोगों को ही असुविधा का सामना करना पड़ेगा। उधर ग्रामीणों ने बताया कि हमने इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों से पहले भी कई बार की है लेकिन इन लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही अभी तक नहीं हुई है। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंचे संबंधित लेखपाल ने नदी की जमीन पर हो रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाई और इस मामले में जांच करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मौके पर निर्माण कार्य रुकवा दिया गया है और जैसा कि ग्रामीण इसके बारे में जानकारी दी है मैं इसमें अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर कार्यवाही कराई जाएगी।

18 जून को कमाल पैलेस में समाजवादी कार्यकर्ता सम्मेलन, राजेंद्र खड्गवंशी ने की पहुंचने की अपील

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी द्वारा 18 जून को तहसील हसनपुर स्थित कमाल पैलेस में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सपा नेता राजेंद्र खड्गवंशी ने सभी कार्यकताओं, पदाधिकारियों एवं पार्टी समर्थकों से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में संगठन को मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा की जाएगी।

राजेंद्र खड्गवंशी ने बताया कि सम्मेलन में वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन मिलेगा और बूथ स्तर तक पार्टी को और अधिक सक्रिय करने की रणनीति बनाई जाएगी। उन्होंने सभी से समय पर पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया।

भीषण गर्मी में राहगीरों को बांटा रूआबजा शरबत

एन के ट्रेडर्स के सौजन्य से भाकियू भानु ने की सेवा, चमन कसाना के नेतृत्व में किया गया रूआबजा वितरण

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील हसनपुर क्षेत्र के गांव छपना में भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों को राहत पहुंचाने के लिए रूआबजा शरबत का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम एन के ट्रेडर्स के सौजन्य से भारतीय किसान यूनियन भानु के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री चमन कसाना के नेतृत्व में आयोजित किया गया। गर्मी से बेहाल राहगीरों ने ठंडा शरबत पीकर राहत महसूस की। इस दौरान भाकियू भानु के कार्यकताओं ने लोगों को गर्मी से बचाव के उपाय भी बताए। इस अवसर पर जिला महामंत्री अनूप लोहिया, पुष्पेंद्र कुमार, छोटू त्यागी, सुमित धामा, चमन प्रधान भानु सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मानव सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए आगे भी ऐसे कार्यक्रम जारी रखने की बात कही।

डिडौली क्षेत्र में पंखे से लटका मिला युवक का शव,मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार को किराए के मकान में रह रहे युवक का शव पंखे से लटका मिला। बताया जा रहा है कि मृतक युवक एक निजी कंपनी में कार्यरत था और वहीं गांव में किराए के मकान में अपनी पत्नी के साथ रहता था। सूचना मिलते ही मौके पर क्षेत्रीय पुलिस पहुंची जिसने घटनास्थल का मुआयना किया और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। बता दें कि मृतक की पहचान 35 वर्षीय जगदीश पुत्र धर्मपाल सिंह के रूप में हुई है। वह मुरादाबाद जनपद के थाना छजलैट स्थित गांव भैंसाली जमालपुर का निवासी था। जगदीश पिछले लगभग दो वर्षों से चौधरपुर स्थित एक निजी कंपनी में काम कर रहा था और अपनी पत्नी सोनम के साथ गांव अम्बैड़ा में किराए के कमरे में रहता था।परिजनों और पड़ोसियों के अनुसार, कुछ दिन पहले जगदीश की पत्नी सोनम अपने मायके चली गई थी, क्योंकि वहां एक महिला रिश्तेदार का निधन हो गया था। जगदीश घर में अकेला था। मंगलवार सुबह जब काफी देर तक उसके कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो पड़ोसियों को संदेह हुआ।उन्होंने झांककर देखा तो जगदीश पंखे से लटका हुआ मिला। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही डिडौली पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का निरीक्षण किया।पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है।

जगदीश की मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक छा गया। परिजन अम्बैड़ा के लिए रवाना हो गए।पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और विस्तृत जांच के बाद ही हो पाएगा। पुलिस सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

जोया क्षेत्र के चौधरपुर फ्लाईओवर पर सड़क हादसा, चालक की मौत,नींद की झपकी आने हुआ हादसा

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जोया थाना क्षेत्र के चौधरपुर फ्लाईओवर पर मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया जिसमें चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह सड़क हादसा चालक को नींद की झपकी आने के कारण हुआ जिससे चालक का ट्रक अनियंत्रित होकर आगे चल रहे अन्य ट्रक में घुस गया और एक बड़ी दुर्घटना हो गई। बता दें कि मृतक की पहचान रामपुर जिले के बिलासपुर थाना क्षेत्र के वेरखेड़ा गांव निवासी सतपाल सिंह (50) पुत्र वीर सिंह के रूप में हुई है। बताया गया कि वह दिल्ली से ट्रक लेकर रामपुर लौट रहे थे। यात्रा के दौरान चौधरपुर फ्लाईओवर पर उन्हें अचानक नींद की झपकी आ गई, जिसके चलते वह वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सके।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और राहत कार्य शुरू किया।सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और चालक को ट्रक से बाहर निकालने का प्रयास किया। हालांकि तब तक सतपाल सिंह की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।सतपाल सिंह अपने पीछे पत्नी परमजीत कौर और दो बच्चों को छोड़ गए हैं।

उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने भी घटना पर दुख व्यक्त करते हुए परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

रजबपुर क्षेत्र में NH-9 पर संदिग्ध महिलाओं का वीडियो, वीडियो में संदिग्ध गतिविधियों को देख पुलिस जांच में जुटी

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 9 पर सोमवार व मंगलवार की मध्यरात्रि चार महिलाओं का एक संदिग्ध गतिविधि करते हुए वीडियो सामने आया है। जिसमें महिलाओं द्वारा की जा रही संदिग्ध गतिविधियों को लेकर क्षेत्र में चचाएं हो रही हैं। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बता दें कि महिलाओं का यह वीडियो सोमवार व मंगलवार की मध्य रात्रि करीब 1:15 का बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो गजरौला और जनकपुरी के बीच स्थित जिओ पेट्रोल पंप तथा शिवा ढाबा के निकट का है। हालांकि वायरल वीडियो में महिलाओं द्वारा की जा रही गतिविधियों के बारे में अभी स्पष्ट रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।स्थानीय सूत्रों के अनुसार, देर रात हाईवे किनारे महिलाओं की मौजूदगी की सूचना किसी राहगीर ने डायल-112 पर दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दावा किया जा रहा है कि पुलिस वाहन को आता देख वहां मौजूद महिलाएं मौके से चली गईं।वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। कुछ लोग इसे संदिग्ध गतिविधियों से जोड़कर देख रहे हैं, जिससे कानून-व्यवस्था और हाईवे सुरक्षा पर भी सवाल उठने लगे हैं। वास्तविक स्थिति पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।मामले को लेकर रजबपुर थाना प्रभारी विकास सहरावत ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो का मामला संज्ञान में आया है।

उन्होंने कहा कि वीडियो से संबंधित थाना क्षेत्र की जांच व वीडियो की जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।जांच के आधार पर जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की पड़ताल में जुटी हुई है और वीडियो में किए जा रहे दावों की सत्यता की जांच कर रही है।

संविधान के प्रथम संशोधन की वर्तमान संदर्भ में उपयोगिता पर अधिवक्ता परिषद की ऑनलाइन व्याख्यानमाला आयोजित

बिजनौर (सब का सपना):- अधिवक्ता परिषद उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड द्वारा अधिकृत यूट्यूब चैनल एवं फेसबुक पेज के माध्यम से सोमवार सायं ऑनलाइन व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय था– "संविधान के प्रथम संशोधन के 75 वर्ष पश्चात वर्तमान परिवेश में उसकी उपयोगिता"। व्याख्यान को संबोधित करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने कहा कि 26 जनवरी 1950 को संविधान पूर्ण रूप से लागू होने के मात्र 16 माह बाद ही संविधान संशोधन की आवश्यकता अनुभव की गई, जिसके परिणामस्वरूप प्रथम संविधान संशोधन अस्तित्व में आया। उन्होंने प्रथम संविधान संशोधन की पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए बताया कि वर्ष 1950 में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए बृजभूषण बनाम दिल्ली राज्य तथा रमेश थापर बनाम मद्रास राज्य के निर्णयों ने इस संशोधन की नींव रखी। उन्होंने कहा कि इन दोनों मामलों में अनुच्छेद 19 के अंतर्गत प्रदत्त वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की व्यापक व्याख्या की गई तथा प्रेस की स्वतंत्रता को संरक्षण प्रदान किया गया। माननीय न्यायमूर्ति ने बताया कि प्रथम संविधान संशोधन के माध्यम से मूल अधिकारों पर युक्तिसंगत प्रतिबंधों की व्यवस्था की गई तथा अनुच्छेद 31(क) और 31(ख) के जरिए संपत्ति संबंधी अधिकारों में संशोधन किया गया। साथ ही नवमी अनुसूची में रखे गए कानूनों को न्यायिक पुनर्विलोकन से संरक्षण प्रदान करने का प्रयास किया गया। उन्होंने शंकरी प्रसाद मामला, सज्जन सिंह मामला, गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य तथा केशवानंद भारती मामला का उल्लेख करते हुए संविधान संशोधन एवं न्यायिक समीक्षा के विकासक्रम पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि केशवानंद भारती मामले में प्रतिपादित मूलभूत ढांचा सिद्धांत भारतीय संवैधानिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है। वर्तमान संदर्भ में प्रथम संविधान संशोधन की उपयोगिता पर चर्चा करते हुए न्यायमूर्ति गुप्ता ने कहा कि इसके माध्यम से लागू किए गए युक्तिसंगत प्रतिबंध आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं संशोधनों के परिणामस्वरूप जमींदारी व्यवस्था के उन्मूलन का मार्ग प्रशस्त हुआ तथा वर्तमान समय में बढ़ते हेट स्पीच के मामलों के परिप्रेक्ष्य में भी इसकी उपयोगिता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कार्यक्रम का संचालन उत्तराखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अनिल जोशी ने किया। व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का भी माननीय न्यायमूर्ति ने विस्तार से समाधान किया।

अधिवक्ता परिषद द्वारा पूर्व में भी अनेक महत्वपूर्ण व्याख्यानमालाओं का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायमूर्तियों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं एवं विधि शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं। व्याख्यानमाला में बिजनौर जनपद से देवेंद्र पाल सिंह, अंकित कुमार, पुष्पेंद्र सिसोदिया, प्रीति चौहान, ममतेश चौहान, आनंद जंघाला, प्रमोद शर्मा, गजेंद्रपाल सिंह ठाकुर, गजेंद्र सिंह, बिजेंद्र सिंह, अंशु विश्नोई, सोनिया शर्मा, ओमवीर सिंह, राजीव सिंह सहित सैकड़ों अधिवक्ताओं ने सक्रिय सहभागिता की।

विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में डीएम सख्त, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में विद्युत विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक में विद्युत आपूर्ति, ट्रांसफार्मर, उपभोक्ता शिकायतों, जीरो पॉवर्टी योजना एवं स्मार्ट मीटर सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने जीरो पॉवर्टी योजना के अंतर्गत दिए जा रहे विद्युत कनेक्शनों की प्रगति की समीक्षा की। अधीक्षण अभियंता हिमांशु वार्ष्णेय ने बताया कि जनपद में इस योजना के तहत 8,266 उपभोक्ता हैं। इस पर जिलाधिकारी ने स्थलीय सत्यापन तेज करने और पात्र परिवारों को समयबद्ध तरीके से बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने

कहा कि प्रत्येक गांव के सबसे गरीब 20 से 25 परिवारों को योजना से जोड़कर इसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्युत विभाग से संबंधित शिकायतें सबसे अधिक प्राप्त होती हैं, इसलिए सभी जूनियर इंजीनियर और अधिकारी जनप्रतिनिधियों एवं उपभोक्ताओं के फोन उठाएं तथा शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू ने ट्रांसफार्मर फुंकने, खराब मीटर, गलत बिजली बिल और अधिकारियों के व्यवहार से जुड़ी समस्याएं उठाते हुए त्वरित समाधान की मांग की। बैठक में समाचार पत्रों और जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि ट्रांसफार्मर बदलने या अन्य विद्युत समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने तथा कृषि फीडरों पर किसानों की जरूरत के अनुसार बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा स्मार्ट मीटर, विद्युत चेकिंग के दौरान उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान न करने तथा परिषदीय विद्यालयों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों को शिफ्ट करने के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्य प्रिय सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू, अधीक्षण अभियंता हिमांशु वार्ष्णेय, लोक निर्माण विभाग एवं विद्युत विभाग के अधिकारी तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा उपस्थित रहे।

उद्योगों और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन ने सुनी समस्याएं, समाधान का दिया भरोसा

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून तक चल रहे समेकित जन कल्याण एवं जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में उद्योग एवं व्यापार जगत के प्रतिनिधियों के साथ संपर्क एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि उद्योग एवं व्यापार किसी भी समाज और राष्ट्र की आर्थिक प्रगति की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से

अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रशासन लगातार कार्य कर रहा है। उपायुक्त उद्योग मुकेश कुमार ने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, निवेश मित्र योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान तथा ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर संचालित सभी योजनाओं की प्रगति संतोषजनक है और निर्धारित लक्ष्य समय से पूरे किए जाएंगे। बैठक में निवेश मित्र पोर्टल से जुड़ी एनओसी, औद्योगिक पार्क, रॉ मैटेरियल बैंक, कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इस दौरान उद्योग एवं व्यापार जगत से जुड़े प्रतिनिधियों ने सड़क चौड़ीकरण, रोडवेज बस सेवाओं में वृद्धि, छोटे औद्योगिक प्लॉट, मेंथा प्रोसेसिंग, प्लेज पार्क, औद्योगिक क्लस्टर, डीजल उपलब्धता, बिजली शुल्क में राहत, जींस वाशिंग प्लांट की स्थापना और सरकारी सुविधाओं के विस्तार जैसी मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू ने उद्योगों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को और प्रभावी बनाने तथा सभी विभागों से समयबद्ध एनओसी उपलब्ध कराने पर बल दिया। मुख्य अतिथि मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि व्यापारियों और उद्यमियों की सभी समस्याओं का प्रशासन गंभीरता से समाधान करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद के प्रमुख उद्योगपतियों की सूची तैयार कर उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार उद्योग, व्यापार और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने आश्वासन दिया कि बैठक में उठाए गए सभी मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों के साथ अलग-अलग संवाद बैठकें भी आयोजित की जाएंगी, ताकि समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, डिप्टी कलेक्टर आशुतोष तिवारी, डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा सहित उद्योग बंधु एवं व्यापार बंधु के पदाधिकारी, उद्योगपति, व्यापारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से किशोर की दर्दनाक मौत, गांव में पसरा मातम

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम पाठकपुर में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान नितिन पुत्र रामपाल निवासी ग्राम पाठकपुर के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे के बाद गांव निवासी राजेश पुत्र सुमेरी गंभीर रूप से घायल नितिन को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई लेकर पहुंचे। अस्पताल में

चिकित्सकों ने जांच के बाद किशोर को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि नितिन गांव में ही था, तभी गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा चलाए जा रहे ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि उसे बचाया नहीं जा सका। किशोर की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल व मृतक के घर पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना बहजोई पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही दुर्घटना के कारणों और ट्रैक्टर चालक की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। किशोर की असमय मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

आधार केंद्रों पर तय शुल्क से अधिक वसूली पर होगी कार्रवाई, डीएम ने जारी किए सख्त निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति तथा पीएलएफएस एवं एएसयूएसई से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में आधार नामांकन, बायोमेट्रिक अपडेट और बच्चों के आधार कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने समिति के सभी सदस्यों को आगामी बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद में ऐसे आधार केंद्रों की जानकारी ली, जहां बायोमेट्रिक अपडेट की सुविधा उपलब्ध नहीं है या मशीनों का अभाव है। इस संबंध में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में

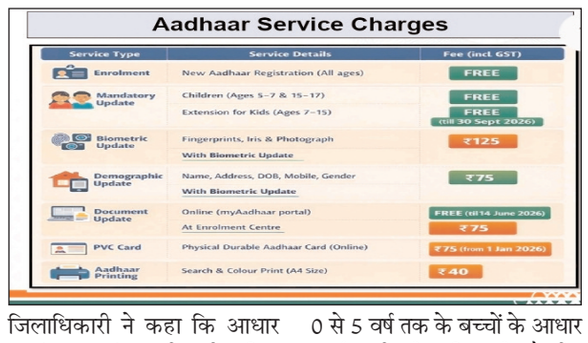

जिलाधिकारी ने कहा कि आधार नामांकन एवं अपडेट के लिए आवश्यक दस्तावेजों की सूची प्रत्येक आधार केंद्र पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। साथ ही आमजन की सुविधा के लिए कलक्ट्रेट परिसर में भी इसकी जानकारी चस्पा कराई जाए, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में संचालित आधार मशीनों की समीक्षा करते हुए 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों के आधार कार्ड बनाने की प्रगति जानी और शेष बच्चों का नामांकन शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा प्रत्येक विद्यालय में आधार रोस्टर तैयार कराने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि आधार कार्ड बनवाने या अपडेट कराने के लिए शासन द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूलना पूरी तरह गलत है। उन्होंने बताया कि बायोमेट्रिक अपडेट के लिए 125 रुपये, डेमोग्राफिक अपडेट के लिए 75 रुपये, दस्तावेज अपडेट के लिए 75 रुपये, पीवीसी आधार कार्ड के लिए 75 रुपये तथा आधार प्रिंटिंग के लिए 40 रुपये निर्धारित हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई आधार केंद्र निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली करता है तो संबंधित व्यक्ति जनपद के कंट्रोल रूम नंबर 05921-243443 पर शिकायत दर्ज करा सकता है। शिकायत मिलने पर संबंधित केंद्र के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में डिप्टी कलेक्टर आशुतोष तिवारी, डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ में कबूला जुर्म

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना चन्दौसी क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की लोहे की पाइप से पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ के दौरान हत्या की वारदात स्वीकार करते हुए इसके पीछे एक वर्ष पुरानी रंजिश को कारण बताया। पुलिस के अनुसार सोमवार को फूलवती पत्नी राजेश, निवासी बदायूं चुंगी, चन्दौसी ने थाना चन्दौसी में तहरीर देकर आरोप लगाया कि तोताराम पुत्र नत्थू लाल प्रजापति ने उनके पति राजेश की लोहे की रॉड

से हमला कर हत्या कर दी। तहरीर के आधार पर थाना चन्दौसी में मुकदमा दर्ज किया गया, जिसकी विवेचना प्रभारी निरीक्षक संत कुमार द्वारा की जा रही है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना चन्दौसी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी तोताराम को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि करीब एक वर्ष पहले मृतक राजेश उसकी पत्नी को अपने साथ भगा ले गया था। इसी बात को लेकर वह लंबे समय से आक्रोशित था और बदला लेने की फिराक में था। घटना वाले दिन उसने राजेश को बहाने से बुलाया और भारत पेट्रोल पंप के पास, आईटीआई के निकट, लोहे की पाइप से उसके सिर पर कई वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बिजनौर में तालाब पर मिट्टी भरान का आरोप, पर्यावरण संरक्षण को लेकर उठे सवाल

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नजीबाबाद क्षेत्र के जलालाबाद में एक तालाब पर कथित रूप से मिट्टी भरान किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा प्रशासन की जानकारी के बावजूद तालाब की भूमि पर लगातार मिट्टी डाली जा रही है, जिससे प्राकृतिक जल स्रोत के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब केवल जल संचयन का माध्यम नहीं होते, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका आरोप है कि जलालाबाद क्षेत्र में तालाब की जमीन पर हो रहे मिट्टी

भरान को रोकने के लिए अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने इस मामले को प्रदेश और केंद्र सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए चलाए जा रहे अभियानों से जोड़ते हुए कहा कि एक ओर सरकारें तालाबों के संरक्षण, जल संचयन और पर्यावरण सुरक्षा पर जोर दे रही हैं, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक जल स्रोतों पर अतिक्रमण और भरान जैसी गतिविधियां इन प्रयासों को कमजोर कर रही हैं। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण को लेकर दिशा-निर्देश जारी करता रहा है। ऐसे में यदि तालाब की भूमि पर अवैध रूप से मिट्टी भरान किया जा रहा है तो इसकी निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कराई जाए, तालाब की वास्तविक स्थिति का सर्वे कराया जाए तथा यदि कोई अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। फिलहाल इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है। प्रशासनिक प्रतिक्रिया मिलने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

महिलाओं एवं बलिकाओं को पम्पलेट देकर किया गया जागरूक

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल

का आयोजन कर जागरुक किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया

जनता की समस्याओं के समाधान हेतु विधायक अनिल शर्मा ने सुनी जनसमस्याएं

पहासू/बुलंदशहर (सब का सपना):- ब्लॉक परिसर पहासू में विधायक अनिल शर्मा द्वारा आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण की दिशा में आवश्यक कदम उठाए गए। कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व उपस्थित सभी सम्मानित नागरिकों का सूक्ष्म जलपान कर स्वागत किया गया। जनता दर्शन कार्यक्रम में लगभग 170 नागरिकों से भेंट कर विधायक ने उनकी समस्याओं, सुझावों एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों को

गंभीरतापूर्वक सुना। प्राप्त शिकायतों के संबंध में संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर समस्याओं के शीघ्र, प्रभावी एवं संतोषजनक समाधान के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर विधायक अनिल शर्मा ने कहा कि जनता का विश्वास, स्नेह एवं आशीर्वाद ही उनके सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान और विकास कार्यों को गति प्रदान करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, प्रधान एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उपस्थित जनों ने विधायक के जनसंपर्क एवं जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण की सराहना की। जनता दर्शन कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने सहभागिता कर अपनी समस्याओं एवं सुझावों को विधायक के समक्ष रखा।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, दो गंभीर घायल

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ी सलेमपुर पुलिस चौकी के निकट सोमवार की शाम हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहम्मद अरमान पुत्र मोहम्मद शाहिद (25 वर्ष), मोहम्मद शमशाद पुत्र शमीम अहमद (26 वर्ष) निवासी ग्राम अलादीनपुर तथा शाहनवाज पुत्र जबर खान (24 वर्ष) निवासी ग्राम फैजुल्लापुर किसी कार्य से लौटकर

स्योहारा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान गढ़ी सलेमपुर चौकी क्षेत्र में उनकी मोटरसाइकिल एक अन्य वाहन से हुई भिड़ंत का शिकार हो गई। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों एवं स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांठ पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मोहम्मद शमशाद को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल मोहम्मद अरमान और शाहनवाज को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल मुरादाबाद रेफर कर दिया गया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम की कार्रवाई हेतु मोर्चरी भिजवा दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। दुर्घटना के संबंध में कांठ पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की पीट-पीटकर हत्या, पति-पत्नी गिरफ्तार, पुलिस ने शुरू की जांच

बीबी नगर/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव चित्सोना अल्लीपुर में प्रेम प्रसंग का खूनी अंत हो गया। शादीशुदा प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक को पति ने पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक मृतक अवधेश छतारी क्षेत्र के गांव रिशालू का रहने वाला था। उसका 30 वर्षीय मंजू से प्रेम प्रसंग चल रहा था। रविवार रात प्रेमिका के बुलाने पर अवधेश उसकी ससुराल चित्सोना अलीपुर पहुंचा था। बताया गया कि पति ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया और गुस्से में प्रेमी को बेरहमी से पीट दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राहुल चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को सीएचसी बीबी नगर में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों की तहरीर पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना प्रभारी राहुल चौधरी ने घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी, जिसके बाद डीएसपी रामकरण सिंह भी मौके पर पहुंचे। युवक के शव का पोस्टमार्टम बुलंदशहर जिला अस्पताल में कराया जा रहा है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति और पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है और पुलिस अन्य बिंदुओं पर भी दबिश दे रही है।

नजीबाबाद नगर पालिका की बोर्ड बैठक में भारी हंगामा

बैठक स्थगित होने पर नाराज सभासदों ने दी धरने की चेतावनी

बिजनौर/नजीबाबाद (सब का सपना):- नजीबाबाद नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब महिला सभासदों ने सदन की मयार्दा और लोकतांत्रिक नियमों को लेकर मोर्चा खोल दिया। महिला सभासदों ने केवल निर्वाचित सदस्यों को ही सदन की कार्यवाही में बैठने देने की पुरजोर मांग उठाई। मामले के तूल पकड़ने और बढ़ते विवाद को देखकर चेयरमैन ने बिना किसी स्पष्ट कारण के बैठक को स्थगित कर दिया, जिससे नाराज सभासदों ने इस कृत्य को संविधान विरोधी बताते हुए धरने पर बैठने की खुली चेतावनी दी है। सदन में मौजूद महिला सभासदों ने अत्यंत गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व में कई बार ऐसा देखा गया है कि निर्वाचित महिला सदस्यों के स्थान पर उनके परिजन (पति या पुत्र) और अन्य बाहरी लोग बैठक में न सिर्फ शामिल होते हैं, बल्कि पालिका के महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर हस्ताक्षर भी करते रहे हैं। इस अलोकतांत्रिक व्यवस्था पर अंकुश लगाने के लिए अधिशासी अधिकारी (एड) द्वारा पहले ही स्पष्ट रूप से पूर्व सूचना जारी की गई थी कि बैठक में केवल निर्वाचित जनप्रतिनिधि ही शामिल होंगे। ईओ के स्पष्ट निदेशों के बावजूद बैठक शुरू होने पर कुछ महिला सदस्यों के परिजन सदन में पहुँच गए, जिसका अन्य जागरूक सभासदों ने पुरजोर विरोध किया। देखते ही देखते इस बात पर सदन के भीतर तीखी बहस और विवाद की स्थिति पैदा हो गई। सभासदों का आरोप है कि इस हंगामे के बीच चेयरमैन ने समस्या का समाधान निकालने या बाहरी लोगों को बाहर करने के बजाय बिना किसी ठोस कारण के पूरी बैठक को ही स्थगित कर दिया। चेयरमैन के इस फैसले से नाराज और आक्रोशित सभासदों ने इसे जनता और लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ बताया है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का हनन कर बाहरी लोगों को बढ़ावा देना पूरी तरह संविधान विरोधी है।

नाराज सभासदों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि सदन की मयार्दा बहाल नहीं की गई और केवल निर्वाचित सदस्यों के बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई, तो वे पालिका प्रशासन के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को विवश होंगे।

आठ सूत्रीय मांगपत्र के साथ धरने पर बैठे कर्मचारी

बिजनौर (सब का सपना):- सिंचाई विभाग के कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। सिंचाई संघ उत्तर प्रदेश जनपद शाखा बिजनौर के बैनर तले आयोजित प्रदर्शन में कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए विभागीय अधिकारियों पर उपेक्षा का आरोप लगाया और आठ सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। मचारियों का कहना है कि कई सिंचपालों की 16 वर्ष की सेवा अवधि पूरी होने के बावजूद उन्हें एसीपी (एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन) का लाभ नहीं दिया गया है। संघ के अनुसार जून, जुलाई और दिसंबर 2025 तक पात्र हो चुके कर्मचारियों की फाइलें अब तक लंबित हैं। इसके

अलावा फरवरी 2026 में जारी कार्यालय आदेश के बावजूद वेतन वृद्धि का लाभ भी कर्मचारियों को नहीं मिल सका है। धरने में शामिल कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि सिंचपालों और सिंचाई पर्यवेक्षकों को नियमों के विपरीत अतिरिक्त चौकियों का कार्यभार सौंपा जा रहा है। इसके लिए उन्हें यात्रा भत्ता भी नहीं दिया जाता, जिससे फील्ड ड्यूटी का खर्च उन्हें अपनी जेब से वहन करना पड़ता है। संघ पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि समस्याओं के समाधान के लिए कई बार पत्राचार किए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। कर्मचारियों का कहना है कि मांग उठाने पर उन्हें एसीआर में प्रतिकूल टिप्पणी और सत्यनिष्ठा प्रमाणित न करने जैसी चेतावनियां दी जाती हैं। प्रदर्शनकारियों ने फील्ड कर्मचारियों के साथ भेदभाव का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को सुविधाएं और भत्ते समय से मिल जाते हैं, जबकि क्षेत्र में कार्य करने वाले सिंचपाल और पर्यवेक्षक उपेक्षा का शिकार हैं। धरने में आशीष कुमार, मोहित कुमार, धीरज सिंह, संदीप कुमार, संजय गुप्ता, राजकुमार, वीरेंद्र कुमार, देवेंद्र कुमार, अनुज कुमार, सुशील कुमार, कृष्ण कुमार, कासिम अहमद, तेजवीर सिंह, सुभाष यादव, राकेश कुमार, राजेश रवि, फतेह सिंह, रूपेश कुमार, चंद्र मोहन और सत्यवान सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

जनगणना 2027 की तैयारियों का निरीक्षण, मंडल व जिला प्रभारियों ने किया सब्जी मंडी क्षेत्र का भ्रमण

बिजनौर (सब का सपना):- भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिए रविवार को मुरादाबाद एवं बरेली मंडल के प्रभारी अभिषेक कुमार कनौजिया तथा जिला प्रभारी जे.पी. यादव ने बिजनौर तहसील के ग्राम झंडापुर स्थित सब्जी मंडी क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जनगणना कार्य के अंतर्गत क्षेत्र में किए गए मकान सूचीकरण और भवनों की गणना की स्थिति की समीक्षा की। जांच में पाया गया कि सब्जी मंडी क्षेत्र के सभी भवनों और जनगणना मकानों को

सूचीकरण प्रक्रिया में शामिल कर लिया गया है। इसके बाद मंडल प्रभारी ने मंडी क्षेत्र से सटी मालिन बस्ती में भी 15 से 20 मकानों का सत्यापन किया। निरीक्षण में यहां भी सभी मकानों को जनगणना कार्य में शामिल पाया गया, जिस पर अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। हालांकि निरीक्षण के दौरान कुछ भवनों पर अंकित जनगणना संख्या धुंधली अथवा मिटती हुई दिखाई दी। इस पर अधिकारियों ने मौके पर मौजूद प्रगणक को संबंधित भवनों पर पुनः स्पष्ट रूप से नंबर अंकित करने के निर्देश दिए, ताकि आगामी चरणों में किसी प्रकार की असुविधा न हो। अधिकारियों ने कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसकी शत-प्रतिशत शुद्धता एवं कवरेज सुनिश्चित करना सभी संबंधित कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने जनगणना कार्य में लगे कार्मिकों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश भी दिए।

आवारा कुत्तों के झुंड ने मासूम को घेरा, स्थानीय लोगों ने बचाई जान

सीसीटीवी में कैद हुई घटना, क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका से ठोस कार्रवाई की मांग की

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- मुगलुशाह क्षेत्र में आवारा कुत्तों के आतंक का एक और मामला सामने आया है। गली से गुजर रहे एक मासूम बच्चे पर आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। गनीमत रही कि आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बच्चे को कुत्तों के चंगुल से बचा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बच्चा गली से गुजर रहा था, तभी कई आवारा कुत्तों ने उसे घेर लिया और हमला करने की

कोशिश की। बच्चे के शोर मचाने पर स्थानीय लोग मौके पर दौड़े और किसी तरह उसे सुरक्षित बचा लिया। घटना के बाद बच्चा काफी सहम गया। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। अभिभावकों को अपने बच्चों की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है, वहीं बुजुर्गों ने भी अकेले निकलने में डर जताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नजीबाबाद में आवारा कुत्तों के हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे।

क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता है ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

समीक्षा बैठक में भड़के सीडीओ, कम सीडी रेशियो वाले बैंकों पर गिरेगी गाज, अनुपस्थित बैंक प्रतिनिधियों पर कार्रवाई के निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और ऋण वितरण की सुस्त रफ्तार को लेकर प्रशासन बेहद सख्त रुख में नजर आ रहा है। जिलाधिकारी जसजीत कौर के निदेर्शों के अनुपालन में मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी (CDO) रणविजय सिंह की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति (DLRC) एवं जिला सलाहकार समिति (DCC) की चतुर्थ त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कड़ा रुख अपनाते हुए सीडीओ ने अनुपस्थित रहने वाले बैंक प्रतिनिधियों के विरुद्ध अग्रणी जिला प्रबंधक (LDM) को तत्काल कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद के उन समस्त बैंकों के प्रति गहरा असंतोष और नाराजगी व्यक्त की,

जिनका ऋण-जमा अनुपात (CD Ratio) राष्ट्रीय लक्ष्य (60 प्रतिशत) के मुकाबले 40 प्रतिशत से भी कम पाया गया। उन्होंने विशेष रूप से, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, कोटक, महिंद्रा बैंक, यस बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI), बैंक ऑफ बड़ौदा (BOB) के शाखा प्रबंधकों को कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देशित किया कि ऋण वितरण के कार्यों में तत्काल तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि कृषि, एमएसएमई (MSME), स्वरोजगार, महिला एवं युवा उद्यमियों तथा शासन की रोजगारपरक योजनाओं के लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर लोन उपलब्ध कराया जाए। समीक्षा के दौरान मार्च 2026 तक की प्रगति रिपोर्ट के निम्न आंकड़े सामने आए। समीक्षा के दौरान मार्च 2026 तक की प्रगति रिपोर्ट में सामने आया कि प्राथमिकता क्षेत्र में कुल वार्षिक लक्ष्य 10010.59 करोड़ रुपये के सापेक्ष 7946.82 करोड़ रुपए की उपलब्धि हासिल की गई, जो कि कुल लक्ष्य का 79.38 प्रतिशत है। इसमें अलग-अलग बैंकों की स्थिति देखें तो, व्यवसायिक बैंकों ने अपने 7429.55 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष 5377.91 करोड़ रुपये यानी 72.39 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की। वहीं, ग्रामीण बैंकों ने अपने 1479.04 करोड़ के वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष 1209.33 करोड़ रुपये की उपलब्धि हासिल की, जो कि 81.76 प्रतिशत रहा। इसके विपरीत, सहकारी बैंकों का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा, जिन्होंने अपने 1101.98 करोड़ के लक्ष्य के विरुद्ध 1311.99 करोड़ रुपये की भारी उपलब्धि हासिल करते हुए रिकॉर्ड 119.06 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया।

विदुर कुटी की पावन धरा पर गूंजा योग मंत्र, सामूहिक योगाभ्यास में उमड़ा जनसैलाब

बिजनौर (सब का सपना):- महात्मा विदुर की ऐतिहासिक और पावन धरती पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रंग बिखरने शुरू हो गए हैं। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर आयोजित हो रहे 'योग सप्ताह' के दूसरे दिन मंगलवार को विदुर कुटी योग अभ्यास केंद्र पर जनपद स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। प्रातः 6:00 बजे से शुरू हुए इस कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने योग की विभिन्न विधाओं का अभ्यास कर निरोगी काया का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य योग प्रशिक्षक प्रशांत महर्षि जी ने आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित योग अभ्यास प्रोटोकॉल के अंतर्गत उपस्थित सभी साधकों को प्राणायाम, आसन और ध्यान का सघन अभ्यास कराया। उन्होंने जीवन में योग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। पूरे कार्यक्रम का कुशल और सफल संचालन डॉ. शैलेंद्र यादव द्वारा किया गया। इस जनपद स्तरीय कार्यक्रम में स्वास्थ्य और आयुष विभाग के आला अधिकारियों सहित विभिन्न संगठनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य रूप से क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. राकेश कुमार, जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरती गुप्ता, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुरेश कुमार, चिकित्सा अधिकारी डॉ. दानिश मंद एवं डॉ. विमल कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में योगेंद्र पाल सिंह योगी, सुनील राजपूत सहित क्रीड़ा भारती, गोविंदा मॉर्निंग क्लब, गायत्री परिवार और आईएनओ जैसी प्रतिष्ठित योग संस्थाओं का विशेष सहयोग रहा।कार्यक्रम के समापन पर संचालक डॉ. शैलेंद्र यादव ने योगाभ्यास में आए सभी योग साधकों और लाभार्थियों का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

इसके साथ ही उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि योग सप्ताह के अगले क्रम में बुधवार को प्रातः 6:00 बजे से 'अमृत सरोवर' पर भव्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी क्षेत्रवासी समय से पहुँचकर स्वास्थ्य लाभ लें।

रात्रि चौपाल में डीएम-एसपी ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शासन की मंशा के अनुरूप बिजनौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कंभोर में रात्रि चौपाल एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम में बिजनौर सदर विधायक सूची मौसम चौधरी, वरिष्ठ भाजपा नेता ऐश्वर्य मौसम चौधरी, जिलाधिकारी जसजीत कौर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, उपजिलाधिकारी रितु रानी,

क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। इस अवसर पर विधायक सूची मौसम चौधरी एवं जिलाधिकारी जसजीत कौर ने गांव के विकास और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसंवाद में कंभोर समेत आसपास के गांवों के प्रधानों और ग्रामीणों ने पेयजल योजना से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने बताया कि पानी की टंकी से दूषित जलापूर्ति हो रही है तथा कई स्थानों पर पानी का प्रेशर भी काफी कम है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। करीब दो से ढाई घंटे तक चले इस जनसंवाद कार्यक्रम में सड़क, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता एवं अन्य जनसमस्याओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने अधिकांश मामलों में त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया तथा संबंधित विभागों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। रात्रि चौपाल के माध्यम से प्रशासन और ग्रामीणों के बीच सीधे संवाद की पहल को लोगों ने सकारात्मक कदम बताया।

सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही को जिलाधिकारी ने किया सम्मानित, क्षेत्र में खुशी की लहर

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के चिकित्सा अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.के. स्नेही को उनकी उत्कृष्ट और बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जिला स्तर पर बड़े सम्मान से नवाजा गया है। बिजनौर में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की महत्वपूर्ण बैठक के दौरान जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। डॉ. स्नेही की इस बड़ी उपलब्धि से चिकित्सा जगत सहित पूरे स्योहारा क्षेत्र के जनमानस में खुशी की लहर दौड़ गई है। जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा डॉ. बी.के. स्नेही को यह प्रतिष्ठित सम्मान ब्लॉक स्योहारा के अंतर्गत आने वाले 8 'आयुष्मान आरोग्य मंदिरों' को राष्ट्रीय स्तर के ठदअर (नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस मानकों पर खरा उतारने और उन्हें सर्टिफाइड कराने के लिए दिया गया है। यह नेशनल सर्टिफिकेशन मरीजों को उच्च स्तरीय, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग की एक बहुत बड़ी कामयाबी मानी जाती है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि और सम्मान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने कहा कि यह सम्मान अकेले उनका नहीं, बल्कि पूरी टीम की कड़ी मेहनत का प्रतिफल है। उन्होंने इस सफलता का मुख्य श्रेय जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह एवं अपने वरिष्ठ अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन के साथ-साथ अपनी पूरी ब्लॉक स्तरीय टीम और समस्त स्टाफ के बेहतरीन टीम वर्क को दिया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. स्नेही ने कहा, "मेरा हमेशा से यह प्रयास रहता है कि सरकार की सभी महत्वाकांक्षी और जन कल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक समय से पहुँचे। स्योहारा ब्लॉक के जनमानस को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं देने के लिए मैं और मेरी टीम सदैव तत्पर हैं।"

उन्होंने यह भी साझा किया कि वे स्वयं सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से भी प्रतिदिन सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का प्रचार-प्रसार करते हैं, ताकि आम जनता जागरूक हो सके और समय पर सुविधाओं का लाभ उठा सके। इस मौके पर सीएचसी स्योहारा के समस्त कर्मचारियों और स्थानीय संभ्रांत नागरिकों ने डॉ. स्नेही को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

त्योहारों से पहले पुलिस हुई सतर्क, सीओ व थाना प्रभारी ने किया फ्लैग मार्च

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- आगामी त्योहारों एवं कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में सीओ धामपुर अंजनी कुमार चतुर्वेदी तथा थाना प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने पुलिस बल के साथ स्योहारा नगर के प्रमुख बाजारों एवं संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने मुख्य चौराहों, बाजारों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण किया और स्थानीय व्यापारियों से संवाद स्थापित किया। अधिकारियों ने दुकानदारों से अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील करते हुए कहा कि इससे

संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखने और अपराधों की रोकथाम में सहायता मिलेगी। इस दौरान बुलेट समेत अन्य दोपहिया वाहन चालकों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि तेज रफ्तार वाहन चलाना, मॉडिफाइड साइलेंसर का प्रयोग, बिना हेलमेट वाहन संचालन तथा सड़क पर स्टंटबाजी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि क्षेत्र में शांति, सौहार्द और सुरक्षा व्यवस्था कायम रखी जा सके। पुलिस का कहना है कि आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए क्षेत्र में लगातार गश्त और निगरानी अभियान जारी रहेगा। "सुरक्षा भी, सतर्कता भी" के संदेश के साथ पुलिस का यह जनसंपर्क एवं सुरक्षा अभियान आगे भी जारी रहेगा।

शौचालय और आवास योजना के नाम पर रुपये लेने का आरोप, बुजुर्ग महिला का वीडियो वायरल

बिजनौर (सब का सपना):- सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक बुजुर्ग महिला ग्राम प्रधान पर शौचालय निर्माण के नाम पर रुपये लेने और सुविधा उपलब्ध न कराने का आरोप लगाती दिखाई दे रही है। वीडियो में महिला भावुक होकर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए प्रधान को बद्दुआ भी देती नजर आ रही है। वायरल वीडियो में बुजुर्ग महिला का दावा है कि ग्राम प्रधान ने शौचालय बनवाने के नाम पर उससे 2,000 रुपये लिए थे। महिला का आरोप है कि रुपये लेने के बाद करीब तीन

वर्षों तक प्रधान फंड न आने का हवाला देकर उसे टालता रहा। महिला का कहना है कि जब उसने अपने रुपये और शौचालय निर्माण के बारे में दोबारा पूछताछ की तो प्रधान और उसके भाई ने उसे घर से बाहर निकाल दिया। वीडियो में एक अन्य महिला भी आवास योजना के नाम पर 5,000 रुपये लिए जाने का आरोप लगाती दिखाई दे रही है। दोनों महिलाओं ने योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर धनराशि लेने और कार्य न होने की शिकायत की है। सोशल मीडिया यूजर्स वायरल वीडियो को नजीबाबाद तहसील के किरतपुर ब्लॉक अंतर्गत बेगमपुर शादी (रामपुर) गांव का मामला बता रहे हैं। हालांकि वीडियो की सत्यता, स्थान और आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। वीडियो वायरल होने के बाद मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा का माहौल है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े करता है। फिलहाल संबंधित अधिकारियों की ओर से मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
बुधवार 17 जून 2026
www.sabkasapna.com

नहचौली में चार माह पहले बंधे दाम्पत्य सूत्र का दुखद अंत, जहर खाकर दंपती की मौत

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- नहचौली में गत रविवार रात एक दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को झकझोर दिया। शादी के महज चार माह बाद नवविवाहित दंपती ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालत गंभीर होने पर दोनों को मेरठ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, नहचौली निवासी 24 वर्षीय राहुल लोधी और उसकी 22 वर्षीय पत्नी नेहा ने रविवार देर रात घर के कमरे में जहरीला पदार्थ खा लिया। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर गृह क्लेश चल रहा था, तनाव के चलते दोनों ने यह आत्मघाती कदम उठाया। हालांकि घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। परिजनों को जानकारी मिलते ही वे दोनों को तत्काल मेरठ के एक निजी अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने देर रात तक उपचार किया, लेकिन दोनों को बचाया नहीं जा सका। दंपती की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। परिजन अब दोनों के शव गांव आने का इंतजार कर रहे हैं। आपको बताते चले की राहुल और नेहा का विवाह मार्च 2026 में धूमधाम में हुआ था। शादी के बाद घर में खुशियों का माहौल था। राहुल जहांगीराबाद में दुकान चलाता था और मिलनसार स्वभाव के लिए जाना जाता था। राहुल अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। पिता संजय सिंह की करीब पांच साल पहले हार्ट अटैक से मृत्यु हो चुकी थी। वह अपनी मां बिजेंद्री देवी, बड़ी बहन अंजलि और पत्नी नेहा के साथ रहता था। इकलौते बेटे की मौत से मां का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस की जांच में कोतवाली प्रभारी रामनारायण सिंह ने बताया कि परिजनों ने गृह क्लेश के चलते जहर खाने की बात कही है। दोनों के शवों का मेरठ मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण स्पष्ट होंगे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। नेहा की मौत की खबर सुनते ही मायके पक्ष के लोग भी मेरठ पहुंच गए। नहचौली गांव में राहुल के घर पर रिश्तेदारों और ग्रामीणों की भीड़ लगी है। चार माह पहले जहां शहनाई गूंज रही थी, आज वहां सन्नाटा और मातम है।

जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का खुर्जा आगमन, गौ-रक्षा एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण का दिया संदेश

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- खुर्जा विधानसभा-70 में सनातन धर्म एवं हिंदू संस्कृति के प्रतिष्ठित संत स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती 1008 जी महाराज का भव्य आगमन हुआ। इस अवसर पर खुर्जा क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं, गौ-भक्तों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज ने गौ-संरक्षण, सनातन संस्कृति के संवर्धन तथा समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति एवं आस्था का केंद्र हैं तथा उन्हें राष्ट्रीय माता का दर्जा दिए जाने की दिशा में जनजागरण और सामाजिक सहयोग आवश्यक है। उन्होंने समाज से गौवंश की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस अवसर पर खुर्जा क्षेत्र के अनेक गौ-भक्तों एवं श्रद्धालुओं की अनुशंसा पर महाराज जी ने गौरव जयराम प्रधान भाईपुर, खुर्जा ब्लॉक अध्यक्ष प्रधान संगठन को अपना प्रतिनिधि मनोनीत करते हुए उन्हें पुष्पमाला पहनाकर आशीर्वाद प्रदान किया। श्रद्धालुओं ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। कार्यक्रम के उपरांत जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज के नेतृत्व में "गविष्ट गो-रक्षार्थ धर्मयुद्ध यात्रा" खुर्जा से शिकारपुर के लिए प्रस्थान हुई। यात्रा का उद्देश्य गौ-रक्षा, गौ-संवर्धन एवं समाज में गौ-सेवा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने संकल्प लिया कि वे गौ-रक्षा, गौ-सेवा तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

सकुशल लौटने पर मर्चेंट नेवी में कार्यरत युवक का लोगों ने किया स्वागत

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर स्थित मोहल्ला मुरारी नगर निवासी मर्चेंट नेवी में कार्यरत एक युवक का ओमान की खाड़ी में अमेरिकी हमले से सकुशल लौटने पर स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। नगर स्थित मोहल्ला मुरारी नगर निवासी सनी चौधरी ने बताया कि वह पिछले 1 वर्ष से मर्चेंट नेवी में तैनात है। उनकी ड्यूटी गल्फ आफ ओसियन मैं चल रही थी। हाल ही में अमेरिकी नेवी ने खड़े जहाज पर हमला कर दिया। जिसमें लगभग 20 भारतीय सवार थे, घटना के तुरंत बाद ओमान में भारतीय दूतावास के निर्देश पर ओमान की नेवी ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और उन्हें सुरक्षित निकालकर बाहर ओमान लाया गया। इसके बाद भारतीय दूतावास की सहायता से उन्हें स्वदेश भेजा गया। भारतीय दूतावास में 20 भारतीयों को सकुशल भारत भेजने की तस्वीरे भी एकस पर साझा की गई थी। सनी का खुर्जा पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने फूलमाला पहनकर स्वागत किया और भारत

मोहर्रम को लेकर बुगरासी चौकी में शांति समिति की बैठक, सीओ ने दिए सख्त निर्देश

अवैध हथियार लहराने पर होगी जेल, पुराने रूट से ही निकलेगा जुलूस

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के बुगरासी चौकी परिसर में मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मोहर्रम को शांति और भाईचारे के साथ मनाने पर जोर दिया गया। क्षेत्राधिकारी स्याना रामकरण सिंह ने कस्बे व गांव के सम्मानित व्यक्तियों को बुलाकर स्पष्ट निर्देश दिए कि मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकाला जाए और कोई नई परंपरा शुरू न की जाए। उन्होंने कहा कि जो रूट पूर्व में निश्चित किए गए हैं, उन्हीं रूटों से मोहर्रम का जुलूस निकाला जाए। थाना प्रभारी नरसेना रामकिशोर गौतम ने सख्त लहजे में कहा कि जुलूस के दौरान अवैध हथियार लहराने नहीं दिए जाएंगे। यदि ऐसा किया गया तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जाएगा। असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और मोहर्रम को शांति के साथ संपन्न कराने की अपील की। शांति समिति की बैठक के बाद क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारी ने मोहर्रम के रूटों का औपचारिक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि मोहर्रम के दिन रूटों पर अनावश्यक वाहन खड़े न हों। इस दौरान सीओ रामकरण सिंह, थाना प्रभारी रामकिशोर गौतम, डॉक्टर सदाकत अली, फौजन सैफी, भुट्टो अंसारी, आरिफ सहित अन्य सम्मानित लोग मौजूद रहे।

रोहिणी से फरार होकर गोवा में छिपा था परिवार, 1.24 करोड़ की ठगी के मामले में मास्टरमाइंड मुकेश वर्मा अरेस्ट

नई दिल्ली। सोने में निवेश के नाम पर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर ठगी करने वाले एक ही परिवार के चार आरोपितों को दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम ने गिरफ्तार किया है। इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड 'अभिनंदन ज्वैलर्स' का डायरेक्टर आरोपित कैंडोलिम, गोवा का मुकेश वर्मा है। इसके साथ ठगी में इसके पिता ओम प्रकाश वर्मा, पत्नी और बेटी रिदम वर्मा शामिल हैं। इसी वर्ष नौ अप्रैल को न्यायालय ने चारों को भगोड़ा घोषित किया था। जांच में पता चला है कि आरोपित अब तक 26 से अधिक लोगों से 1.24 करोड़ की ठगी कर चुके हैं। ईओडब्ल्यू के उपायुक्त अमित वर्मा के मुताबिक, शिकायतकर्ता रोहित ठुकराल से एक शिकायत मिली थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि "अभिनंदन ज्वैलर्स" के निदेशक मुकेश वर्मा ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर उन्हें और कई अन्य निवेशकों को एक गोल्ड इन्वेस्टमेंट स्कीम में पैसा लगाने के लिए राजी किया था। उन्हें पक्का रिटर्न देने का भरोसा दिलाया गया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्होंने आरोपितों के पास बैंकिंग चैनलों के जरिए 14.70 लाख रुपये और नकद में 2.50 लाख रुपये जमा किए थे। आरोपितों ने वादा किया था कि एक तय समय के बाद वे या तो सोना देंगे या फिर निवेश की गई रकम अतिरिक्त मुनाफे के साथ लौटा देंगे। इसके बाद, 25 अन्य पीड़ितों से भी ऐसी ही शिकायतें मिलीं। जांच से पता चला कि निवेशकों ने कुल 1.24 करोड़ रुपये का निवेश किया था। बीते वर्ष मार्च में आरोपितों ने अचानक सेक्टर-03, रोहिणी से चल रहा अपना कारोबार बंद कर दिया और अपने ज्ञात पतों से भाग गए और निवेशकों को न तो निवेश की गई रकम लौटाई, न ही वादा किया गया रिटर्न या सोना दिया। इस मामले में बीते वर्ष 20 मई को ईओडब्ल्यू ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और रोहिणी कोर्ट ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपितों को पकड़ने के लिए एक खास टीम बनाई गई।

तकनीकी निगरानी के बाद टीम ने 13 जनू को गोवा के कैंडोलिम से चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। चारों आरोपितों को मजिस्ट्रेट, मापुसा, गोवा के सामने पेश किया गया और उन्हें रोहिणी कोर्ट की अदालत में पेश करने के लिए ट्रांजिट रिमांड हासिल की गई। पुलिस इनसे पूछताछ कर मामले में आगे की जांच कर रही है।

बरहाना में लगा माता की दौज का मेला, हजारो महिला पुरुष मन्त मांगने को उमडे

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- मंगलवार को बरहाना में हनुमान मंदिर पर माता की दौज मेले का आयोजन किया गया। पुरानी मान्यताएं हैं कि जो भी महिलाएं इस मेले में आकर पूजा अर्चना कर मन्नतें मागती है पूरी हो जाती है।इस मेले की खास बात यह है कि जो भी यहा आकर पुजा अर्चना करता है उस परिवार में चर्मरोग से छुटकारा मिल जाता है।उस परिवार में कभी भी चर्मरोग नही होते हैं।इससे पहले सोमवार की रात को मन्दिर परिसर में माता का जागरण भी किया गया।अधिकतर महिला पुरुष सारी रात जागरण में माता के गीतों का आनंद लेते रहे।

ग्रामीणों ने भंडारे भी लगाये।आने जाने वाले लोगों ने भोजन कर प्रसाद का भी आनंद लिया।ग्रर्मी के मद्देनजर सरबद का भी छबील लगाया जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। सहयोग करने वालों मे आदेश त्यागी मनोज त्यागी सूरज त्यागी लाला त्यागी प्रवृत त्यागी सहित कई दर्जन लोगों का सहयोग रहा।

संयुक्त शिक्षा निदेशक शिवलाल का माध्यमिक शिक्षक संघ ने किया स्वागत

मुरादाबाद (सब का सपना): मंगलवार को संयुक्त शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) द्वारा मण्डल मुरादाबाद शिवलाल का उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर प्रांतीय कोषाध्यक्ष महेश चंद शर्मा, प्रांतीय उपाध्यक्ष विमलेंद्र विमल, प्रदेश मंत्री सुधीर अग्रवाल, मंडल मंत्री जेपी सिंह, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य अरुण शर्मा, बिजनौर जिला अध्यक्ष नवाब हसन, जिला मंत्री सोमदेव, संभल जिला अध्यक्ष वसीम सिद्दीकी, मंडल उपाध्यक्ष नसीम हसन, संभल जिला कोषाध्यक्ष श्याम बाबू, प्रांतीय प्रतिनिधि संभल डॉ. मोहम्मद तालिब, पूर्व जिला अध्यक्ष मुरादाबाद शकील अहमद, अभय गुप्ता, तस्लीम अहमद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। शिक्षक नेताओं ने संयुक्त शिक्षा निदेशक का स्वागत करते हुए शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। बैठक में शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

अभिनंदन ज्वेलर्स गोल्ड इन्वेस्टमेंट घोटाले में चार गिरफ्तार, दिल्ली ईओडब्ल्यू ने गोवा से पकड़ा पूरा परिवार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ईओडब्ल्यू ने सोने में निवेश के नाम पर चलाए गए बड़े घोटाले का खुलासा करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घोटाले में 26 से अधिक निवेशकों को लगभग 1.24 करोड़ रुपये की ठगी की गई। ये गोल्ड में निवेश का हसीन ख्वाब दिखाकर लोगों को गुमराह करते थे। रोहिणी कोर्ट घोषित कर चुकी है पीओ गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान अभिनंदन ज्वेलर्स के मालिक मुकेश वर्मा (53 वर्ष), उनकी पत्नी (52 वर्ष), बेटा रिदम वर्मा (25 वर्ष) एवं पिता ओम प्रकाश वर्मा बताई गई है। सभी चारों आरोपित अप्रैल 2026 में दिल्ली की रोहिणी कोर्ट द्वारा प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर (फरार) घोषित कर दिए गए थे। ईओडब्ल्यू की टीम ने लगातार तकनीकी निगरानी और फील्ड जांच के बाद उन्हें 13 जून को गोवा के कैंडोलिम से गिरफ्तार किया। घोटाले का तरीका आरोपितों ने निवेशकों को सोने में निवेश करने पर आकर्षक और निश्चित रिटर्न देने तथा तय समय पर सोना डिलीवर करने का लालच दिया। शिकायतकर्ता रोहित ठुकराल ने बताया कि उन्होंने बैंकिंग चैनल से 14.70 लाख रुपये और नकद 2.50 लाख रुपये दिए थे। बाद में 25 अन्य पीड़ितों की शिकायतें भी इस मामले में जोड़ी गईं। कुल ठगी की राशि करीब 1.24 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मार्च 2025 में आरोपित अचानक अपना कारोबार बंद करके फरार हो गए और न तो निवेशकों को उनका पैसा लौटाया, न ही मुनाफा दिया और न ही सोना डिलीवर किया। गोवा के मापुसा कोर्ट में किया पेश इस मामले में 20 मई 2025 को ईओडब्ल्यू थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जांच अधिकारियों के अनुसार, मुकेश वर्मा को इस घोटाले का मुख्य सूत्रधार माना जा रहा है, जबकि उसके परिवार के सदस्यों ने भी सक्रिय रूप से निवेशकों से रुपया जमा करने और उन्हें गुमराह करने में हिस्सा लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपितों को गोवा के मापुसा कोर्ट में पेश किया गया, जहां से ट्रांजिट रिमांड लेकर उन्हें दिल्ली लाया जा रहा है। रोहिणी कोर्ट में पेशी के बाद आगे की जांच जाएगी।

कार और मोपेड की टक्कर में मोपेड चालक की मौत

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- शिकारपुर तहसील के डिबाई-शिकारपुर हाईवे पर गांव गंगावास के पास एक कार और मोपेड की टक्कर में मोपेड चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान थाना पहासू क्षेत्र के गांव भोपतपुर निवासी हरिशंकर के रूप में हुई है। उनके पुत्र धर्मेंद्र शर्मा ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार, हरिशंकर मोपेड से किसी काम से शिकारपुर जा रहे थे, तभी एक कार ने उनकी मोपेड को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने कार चालक नासिर के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

45 दिन से अधिक कर बकाया वाले 68 वाहनों की हुई नीलामी, 13 बोलीदाताओं ने लिया भाग

बुलन्दशहर (सब का सपना):- सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) कार्यालय, बुलंदशहर में मंगलवार को 45 दिनों से अधिक समय से कर बकाया के कारण निरुद्ध वाहनों की नीलामी प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। नीलामी में कुल 68 वाहनों को शामिल किया गया, जिसमें 13 बोलीदाताओं ने भाग लेकर विभिन्न वाहनों के लिए प्रतिस्पर्धात्मक बोलियां लगाईं।

नीलामी की संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई। संबंधित अधिकारियों की निगरानी में सभी औपचारिकताएं निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूरी की गईं। अधिकारियों ने बताया कि कर बकाया वाले वाहनों के निस्तारण की कार्रवाई शासन के निर्देशों के अनुरूप की जा रही है।

नीट परीक्षा से पहले ही वायरल हो गया 'असली पेपर'? एनटीए के डीजी ने खोला बड़ा राज; टेलीग्राम पर प्रतिबंध

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि नीट परीक्षा से जुड़े फ्रॉड और पेपर लीक के गलत प्रचार को रोकने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा टेलीग्राम पर कुछ समय के लिए प्रतिबंध लगाना पड़ा। अभिषेक सिंह ने एक समाचार एजेंसी को दिए विशेष साक्षात्कार में बताया, 'हमें यह बड़ा कदम उठाना पड़ा क्योंकि स्कैम करने वाले और धोखेबाज लगातार टेलीग्राम प्लेटफॉर्म का गलत इस्तेमाल कर रहे थे। वे नकली प्रश्न पत्रों को भावी नीट परीक्षा के असली प्रश्न पत्र बताकर वायरल कर रहे थे और छात्रों की बेचैनी का फायदा उठाकर उनसे पैसे ऐंठने की कोशिश कर रहे थे।' इसके लिए एनटीए ने टेलीग्राम अधिकारियों के साथ बैठक की और ऐसे ग्रुप्स/चैनल्स को ब्लॉक करने का अनुरोध किया जिनमें स्पष्ट रूप से नीट लीक पेपर का दावा किया जा रहा था। इसके अंतर्गत 200 से ज्यादा चैनल ब्लॉक किए गए। 3 मई की परीक्षा (जो अन्य कारणों से रद कर दी गई थी) से पहले भी कुछ चैनलों पर 1 मई को ही 3 मई का 'असली पेपर' शेयर किया जा रहा था।

हेल्थ प्लस

स्वस्थ आंखें

हमारे शरीर के सभी अंग महत्वपूर्ण हैं जिनमें हमारी आंखें भी शामिल हैं। आंखों के सही होने पर ही हम जीवन के विभिन्न रंगों का आनंद ले सकते हैं। पेश हैं आंखों की देखभाल हेतु कुछ लाभदायक टिप्स-

- नियमित अंतराल पर ठंडे पानी से आंखें साफ करते रहें।
- पपीता, अंडे, दूध, हरी सब्जियों जैले विटामिन्स से भरपूर खाद्य पदार्थ अपने भोजन में प्रचुर मात्रा में शामिल करें। विटामिन्स आंखों के स्वास्थ्य में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। विटामिन 'ए' कैटरैक्ट औक नाइट ब्लाइंडनैस से रक्षा करता है जबकि विटामिन 'सी' ग्लूकोमा के दबाव को कम करने के साथ-साथ बढ़ती उम्र के कारण आंखों पर पड़ने वाले प्रभाव में कमी करता है।

- अधिक मात्रा में पानी पीएं।
- आंखों के नीचे बनने वाले काले घेरों को दूर करने के लिए खीरे और आलू के गोलाकार टुकड़ों का प्रयोग करें।
- आंखों को आंवला मिले पानी से साफ करें। इसके लिए रात भर आंवलों को पानी में डुबो कर सुबह के समय छान लें।
- आंखों की मांसपेशियों की कसरत के लिए बार-बार पलकें झपकें और बाद में कुछ देर के लिए आंखें बंद करें।
- कभी-कभार नमक मिले पानी से आंखों पर छींटे मारने से आंखों के संक्रमण को ठीक किया जा सकता है।
- अधिक कार्य करने के कारण अगर आपकी आंखों में सूजन है तो कुछ देर के लिए झपकी लेने से आराम मिलेगा।
- नियमित अंतराल पर आंखों की जांच करवाते रहें।
- सही सनग्लासेज का प्रयोग जरूरी है। केवल 400 या अधिक यू.वी. प्रोटैक्शन वाले सनग्लासेज का ही उपयोग करें। लैंस खरीदते समय ध्यान रखें कि ये 99 से 100 प्रतिशत पराबैंगनी रोशनी से सुरक्षा प्रदान करते हों।

टीवी देख रहे हैं, तो खाएं पोपकॉर्न

शाम को रिलैक्स होने के लिए हम सभी स्नैक्स खाते हुए टीवी देखना पसंद करते हैं। अगर ये स्नैक्स हैल्दी हों, तो हमारी बोरियत तो दूर होगी ही, साथ ही सेहत भी बढ़िया बनी रहेगी...

टीवी देखते हुए एक कटोरी पोपकॉर्न खाने से आपकी सेहत बढ़िया रह सकती है। हाल ही में हुई एक स्टडी में वैज्ञानिकों ने पाया कि पोपकॉर्न जैसे होल व्हीट स्नैक्स में एंटीऑक्सीडेंट 'पॉलीफिनॉल' बड़ी मात्रा में पाया जाता है।

पॉलीफिनॉल हार्ट डिसीज, कैंसर और दूसरे रोगों का खतरा कम करने में अहम भूमिका निभाता है। होलग्रेन सीरियल्स में फाइबर काफी मात्रा में होता है, जो सेहत के लिए बहुत बढ़िया माना जाता है और ये पॉलीफिनॉल के भी स्रोत हैं। पैंसिलवेनिया में यूनिवर्सिटी ऑफ स्क्रैंटन के कैमिस्ट और स्टडी के प्रमुख जो विंसन का कहना है कि इससे पहली हुई स्टडीज में रिसर्चर्स का मानना था कि साबुत अनाजों में कैंसर और कोरोनरी हार्ट डिसीज के खतरे को कम करने का मुख्य कारण फाइबर है।

विंसन ने बताया कि हाल ही में पॉलीफिनॉल के ज्यादा हैल्थ बैनेफिट्स सामने आए हैं। ब्रेकफास्ट सीरियल्स, पास्ता और नमकीन स्नैक्स में 66 फीसदी साबुत अनाज का इस्तेमाल किया जाता है। साबुत अनाज में भी फलों और सब्जियों की ही तरह काफी ज्यादा मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं।

पॉलीफिनॉल रसायनों के ऐसे समूह हैं, जो फलों, सब्जियों और दूसरे पौधों जैसे बेरीज, ओलिव्ज, चाय की पत्तियों और अंगूरों में पाए जाते हैं। चूंकि ये एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, इसलिए ये शरीर से फ्री रैडिकल्स को रिमूव करते हैं। फ्री रैडिकल्स वो कैमिकल्स हैं जो हमारे शरीर के सैल्स और टिश्यूज को नुकसान पहुंचाते हैं।

विंसन के अनुसार, होलग्रेन सीरियल्स में अधिकतर एंटीऑक्सीडेंट्स व्हीट, कॉर्न, ओट्स और राइस से पाए जाते हैं। होल ग्रेन आटे में होलग्रेन स्नैक्स की बजाय एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अधिक होती है, लेकिन पॉपकोर्न में एंटीऑक्सीडेंट्स का स्तर सबसे अधिक होता है। अमेरिकन कैमिकल सोसाइटी की 238वीं नैशनल मीटिंग पर यह स्टडी पेश की गई।

बाधा नहीं बनेंगी बंद ट्यूब्स

मां बनना जीवन को चलाने की नैसर्गिक और आवश्यक प्रक्रिया है, पर कई बार कुछ समस्याएं ऐसी होती हैं जिनके चलते स्त्री का कंसीव कर पाना मुश्किल हो जाता है। बच्चेदानी की ट्यूब्स का बंद होना इसके प्रमुख कारणों में से एक है...

मां बनना किसी भी महिला के जीवन में सुखद एहसास से कम नहीं है। एक नए जीवन को धरती पर लाने के अनुभव की तुलना किसी और चीज से कभी नहीं की जा सकती है। लेकिन कई बार मैडिकल कारणों से स्त्री के लिए कंसीव कर पाना मुश्किल हो जाता है। बच्चेदानी की दोनों ट्यूब्स बंद होने से भी गर्भधारण में समस्या आती है।

बच्चेदानी के दोनों तरफ दो ट्यूब्स होती हैं। अगर उनमें से एक बंद हो, तो कंसीव होने की संभावना 50 फीसदी कम हो जाती है। लेकिन दोनों टयूब्स बंद होने की स्थिति में कंसीव करना लगभग नामुमकिन हो जाता है। कई बार यह समस्या एक बच्चा होने के बाद भी हो जाती है। लेकिन इस समस्या का समाधान मौजूद है। इंटरवैशनल ट्रीटमेंट से बंद ट्यूब्स को बिना चीरफाड़ खोला जा सकता है।

इसलिए होती हैं ट्यूब्स बंद

टीबी: बच्चेदानी की टयूब्स में टीबी की इंफैक्शन तेजी से होती है।

इम्यूनिटी: स्त्रियों में इम्यूनिटी कम होने के कारण भी ट्यूब्स बंद हो जाती हैं। सही समय पर संतुलित व पौष्टिक भोजन न लेना इसका कारण है।

गर्भपात: कई बार गर्भपात सही ढंग से न होने के कारण भी ट्यूब्स में ब्लॉकेज आ जाती है। गर्भपात हमेशा डॉक्टर से ही करवाना चाहिए और वह भी चार माह से पहले।

इंफैक्शन: बच्चेदानी में इंफैक्शन होने से कई इंफैक्टिड पार्टिकल्स ट्यूब्स में जमा हो जाते हैं, जिससे ये बंद हो जाती हैं।

डॉक्टर की सलाह

सर्जरी और लैप्रोस्कोपी से ट्यूब्स खोलने के लिए स्त्री का पेट चीरना पड़ता है। इसमें मरीज को असहनीय दर्द होता है। दूसरा, इसमें ट्यूब्स के टूटने का खतरा भी होता है। मरीज को बेहोश करना पड़ता है और प्रक्रिया भी लंबी है। मगर फैलोपियन ट्यूब रीकैनलाइजेशन यानी एफटीआर में सी-आर्म्स मशीन के जरिए पता चलता रहता है कि ट्यूब कहां से बंद है। इसमें न कोई कट लगाना पड़ता है और न ही मरीज को बेहोश किया जाता है। सब कुछ मरीज के सामने होता है। इंटरवैंशनल ट्रीटमैंट में स्पैशल इंस्ट्रूमेंट की मदद से बंद ट्यूबें खोलने के लिए इनमें डाई डाली जाती है। आधे घंटे के ट्रीटमैंट के बाद मरीज घर जा सकता है। ट्रीटमैंट के बाद महिला को आठ महीने तक वॉच किया जाता है।

इलाज है जरूरी

कंसीव करने के लिए कम-से-कम एक फैलोपियन ट्यूब का खुला होना बेहद जरूरी है, क्योंकि पुरुष का सीमन इन ट्यूब्स के रास्ते ही बच्चेदानी तक पहुंचता है। अगर स्त्री की दोनों ट्यूब्स बंद हों, तो उसकी मां बनने की संभावना लगभग शून्य ही रहती है।

अगर जरूरत से ज्यादा लापरवाही बरती जाए और सही समय पर इलाज न करवाया जाए, तो एक स्थिति ऐसी आ जाती है जब इंफैक्शन के कारण सिर के बाल की तरह पतली ये ट्यूबें मोटी होती जाती हैं। यदि ये दो सेंटीमीटर तक मोटी हो जाएं, तो ट्यूब्स पूरी तरह डैमेज हो जाती हैं और फिर इन्हें खोलने की कोई संभावना नहीं बचती।

जामुन

फलों में जामुन का सेवन करना बहुत लाभकारी है। यह विटामिन ए, सी, आयरन और मिनरल्स का बहुत अच्छा स्रोत है। इसमें कुदरती तौर पर एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। हमारे दिमाग को काम करने के लिए काफी मात्रा में ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है और ये ऑक्सीडेंट्स हमारे दिमाग की नसों को क्षति पहुंचाते हैं। इनको क्षति पहुंचाने से रोकने का काम एंटीऑक्सीडेंट्स का होता है, जो इस फल में भरपूर मात्रा में होता है। यह फाइबर का भी बहुत अच्छा स्रोत है। इसकी गुठली का इस्तेमाल आयुर्वेदिक, यूनानी और चाइनीज मैडिसिन में होता है। स्ट्रैस में होने वाली कब्ज से भी छुटकारा दिलाने में मदद करता है। खून और यूरिन में शुगर लैवल कम करने में मदद करता है। बढ़िया ब्लड प्यूरीफायर है, पाचन बढ़ाता है। दांतों और मसूड़ों को मजबूत बनाने वाली दवाओं में इसका इस्तेमाल होता है। रिंगवर्म जैसी स्किन से संबंधित समस्याओं में मददगार है। शरीर में होने वाली किसी भी तरह की इंफैक्शन का मुकाबला करने में मदद करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 3920

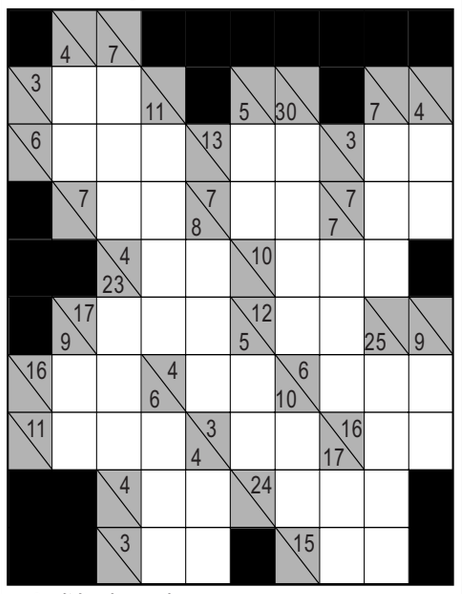

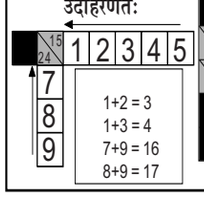

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3919 का हल

हंसी के फूव्वारें

क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो ?
इसमें भी कोई सन्देह है.
'तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो ?'
'नहीं प्रिय यह मेरा अमर प्रेम है.'

एक कुंवारी और कुंवारा घूम रहे थे कि तभी कुंवारी को जोर से खांसी आ गई, कुंवारा बोला-प्रिय तुम्हारे गले के लिए कुछ ले लूं क्या?
हां, वह मोतियों का हार जो सामने की दुकान पर है, कुंवारी बोली.

भगवान से सबकी रक्षा की विनती कर चुकने पर छोटे से मोहन ने कहा-मेहरबानी करके अपनी रक्षा भी करना यदि तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा तो नाश हो जायेगा.

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे कब तक कड़वी दवा खानी पड़ेगी ?
डॉक्टर: जब तक मेरा बिल अदा न कर दोगे.

टिकटचेकर: बच्चा, टिकट दिखाओ.
साधु: हम तो साधु हैं, हमें टिकटों से क्या लेना-देना.
टिकटचेकर: तो क्या जिन्होंने टिकट ले रखे हैं वे सब क्या चोर-उचक्के हैं ?

फिल्म वर्ग पहेली- 3920

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3919

सूडोकु -3920

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3919 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली -3920

बाएँ से दाएँ

1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे

1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -3919 का हल

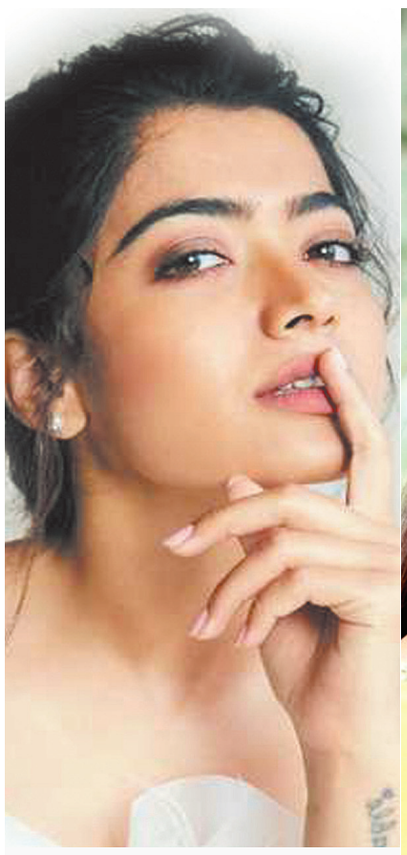

एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभाएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। 123 तेलुगु के अनुसार, रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं।

स्लमडॉग 33 टेंपल रोड में मिलेगा इमोशन का फुल डोज!

संयुक्ता का किरदार दिल में बस जाएगा

स्लमडॉग - 33 टेंपल रोड का ट्रेलर आते ही इंटरनेट पर धूम मचा गई है - रॉ विजुअल्स, इंटेंस कहानी और दमदार कमाई ने ऑडियंस का ध्यान खींच लिया है। इस पूरे बज़ के बीच, संयुक्ता का किरदार सबसे ज़्यादा चर्चा में है, और डायरेक्टर पुरी जगन्नाध का निर्देशन है कि इस बार दर्शकों को कुछ खास मिलने वाला है। ट्रेल लॉन्च इवेंट में पुरी जगन्नाध ने पहली बार संयुक्ता के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया। उन्होंने एक्ट्रेस की एनर्जी, डेडिकेशन और हर दिन सेट पर लाई गई उनकी पॉज़िटिव वाइब्स की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'ये पहली बार था जब मैंने उनके साथ काम किया और ये एक्सपीरियंस कमाल का रहा। वो बेहद एनर्जेटिक हैं और सेट पर एक अलग ही पॉज़िटिव एनर्जी लेकर आती हैं। वो हर चीज़ में पूरी तरह इनवॉल्व रहते हैं। उनके साथ काम करना वाकई शानदार रहा। फिल्म में वो वरलक्ष्मी का किरदार निभा रही हैं - एक ऐसा रोल जिसकी जर्नी बहुत खूबसूरत है। मुझे पूरा यकीन है कि ऑडियंस उनकी मेहनत को पसंद करेगी और उनके किरदार से गहराई से जुड़ जाएगी।'

पुरी की ये बातें साफ इशारे देती हैं कि संयुक्ता का किरदार, वरलक्ष्मी, फिल्म की इमोशनल जर्नी का एक अहम हिस्सा होने वाला है। ट्रेलर जहां उनके रोल को लेकर सस्पेंस बनाए रखती है, वहीं पुरी की कामयाब से ये तो पक्का है कि ये किरदार लेवल्ड, इम्पैक्टफुल और यादगार होने वाला है। पिछले कुछ सालों में समयुक्ता ने अपने रोल्स के चुनाव और नैचुरल एक्टिंग से हर बार ऑडियंस को इम्प्रेस किया है। हर प्रोजेक्ट के साथ वो अपनी वर्सेटिलिटी साबित करती हैं, और स्लमडॉग - 33 टेंपल रोड उनकी फिल्मोग्राफी में एक और रोमांचक चैप्टर जोड़ने के लिए तैयार है। जब डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ और को-स्टार

विजय सेतुपति दोनों ही उनकी कामयाब कर रहे हों, तो एक्सपेक्टेशन का लेवल अपने आप हाई हो जाता है। अब जैसे-जैसे स्लमडॉग - 33 टेंपल रोड की रिलीज करीब आ रही है, ऑडियंस बेसब्री से इंतजार कर रही है कि समयुक्ता वरलक्ष्मी बनकर स्क्रीन पर क्या कमाल दिखाती हैं। इस फिल्म के अलावा भी समयुक्ता के पास दिलचस्प प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी है - स्वयंभू, द ब्लैक गोल्ड और अमेज़न की ओरिजिनल सीरीज गुव्वाला चेरुवु घाट, जो उन्हें आज की सबसे प्रॉमिसिंग एक्ट्रेसेस में और मजबूती से स्थापित कर रहे हैं।

कंगना रनौत स्टारर 'तनु वेड्स मनु : द नेक्स्ट चैप्टर' की तैयारियां तेज, इसी साल शुरू होगी शूटिंग

फिल्म फ्रेंचाइजी 'तनु वेड्स मनु' के प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। इस सुपरहिट सीरीज का तीसरा भाग 'तनु वेड्स मनु : द नेक्स्ट चैप्टर' के बारे में नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू होगी। इसी साल फिल्म फ्लोर पर आ जाएगी। इस मोस्ट अवेटेड फिल्म की घोषणा इरोज इनोवेशन द्वारा हाल ही में जारी की गई नई कंटेंट लिस्ट के दौरान की गई। फिल्म का निर्देशन मिताक्षरा कुमार करेंगी, जो इससे पहले 'हीरामंडी' और 'द एम्पायर' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इस फिल्म का निर्माण रुद्रक सोमा ज्योति लिमिटेड के सहयोग से किया जाएगा। 'तनु वेड्स मनु' फ्रेंचाइजी पहले ही दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बना चुकी है और अब इसके नए चैप्टर को लेकर आ रही है। इरोज इनोवेशन ने अपनी नई कंटेंट रणनीति के तहत तीन प्रमुख पहलों की घोषणा की है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण 'इरोज ब्रम्ह्मांड' है, जो भारतीय पौराणिक कथाओं और लोककथाओं से प्रेरित एक नया सिनेमाई ब्रह्मांड होगा। इसके तहत नौ ओरिजिनल प्रोजेक्ट्स तैयार किए जाएंगे। इनमें 'नंदी - वॉर ऑफ कैलाश', 'द्वारका: गेटवे टू द यूनिवर्स', 'विमान वॉर्स', 'महाभारत 5000 एडी' 'यक्षिणी', 'ब्रह्मराक्षस', 'गरुड़', 'कुंभयन्न' और 'मनसा देवी' शामिल हैं। इन सभी प्रोजेक्ट्स को आपस में जोड़कर एक व्यापक और रोचक कहानी की दुनिया तैयार की जाएगा। दूसरी पहल 'इरोज यूनिवर्स' है, जिसमें कई लोकप्रिय फिल्म टाइटल्स को नए रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इस सूची में 'तनु वेड्स मनु - द नेक्स्ट चैप्टर' के अलावा 'फोबिया', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'देसी बॉयज', 'रंगीला' और 'तेरे नाम' जैसी चर्चित फिल्में शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, इन कहानियों को फिल्मों, एनीमेशन, माइक्रोड्रामा और कैरेक्टर बेस्ड कंटेंट के जरिए नए अंदाज में दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा। तीसरी पहल 'इरोज रीमास्टर्ड' है, जिसकी शुरुआत रजनीकांत स्टारर फिल्म 'कोचादाइयां' से होगी। भारत की पहली मोशन-कैप्चर फीचर फिल्म मानी जाने वाली इस फिल्म को सौंदर्या रजनीकांत के रचनात्मक नेतृत्व में नए सिरे से रीस्टोर और रीइमैजिन किया जाएगा। इरोज़ इनोवेशन के संस्थापक और चेयरमैन किशोर लुल्ला ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य पौराणिक कथाओं, लोकप्रिय फिल्मों और क्लासिक सिनेमा को एक मंच पर लाकर ऐसी कहानियां पेश करना है जो हर पीढ़ी के दर्शकों को जोड़ सकें। वहीं, को-फाउंडर और को-प्रेसिडेंट रिधिमा लुल्ला ने कहा कि यह नई कंटेंट लिस्ट कहानी कहने के नए और रचनात्मक तरीकों के प्रति कंपनी की महत्वाकांक्षा को दिखाती है।

शिल्पा शेट्टी ने करियर के सबसे मुश्किल दौर का सुनाया किस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को फिटनेस क्वीन, टीवी स्टार, बिजनेसवुमन और प्रेरणादायक शख्सियत के तौर पर जाना जाता है, लेकिन उनका सफर हमेशा आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी आया था जब उन्हें फिल्में मिलनी लगभग बंद हो गई थीं और कई प्रोड्यूसर्स उन्हें अपनी फिल्मों से बाहर कर देते थे। खुद शिल्पा ने बताया था कि उन्हें लगने लगा था कि उनका करियर पीछे जा रहा है, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत की, आखिरकार अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहीं। 8 जून 1975 को कर्नाटक के मंगलुरु में जन्मी शिल्पा शेट्टी का असली नाम अश्विनी शेट्टी है। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अपने पिता के काम में हाथ बंटाने लगी थीं। इसी दौरान एक फैशन शो में हिस्सा लेने का मौका मिला। वहां एक फोटोग्राफर ने उनकी तस्वीरें खींचीं, और यही तस्वीरें उनके लिए मॉडलिंग की दुनिया का दरवाजा खोल गईं। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। शिल्पा ने 1993 में फिल्म 'बाजीगर' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म सुपरहिट साबित हुई और शिल्पा की भी खूब चर्चा हुई। 1990 के दशक में वह 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'छोटे सरकार', 'आओ प्यार करें', 'हथकड़ी', 'औजार' और 'परदेसी बाबू' जैसी कई चर्चित फिल्मों का हिस्सा रहीं और दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती गईं। सफलता का यह सफर हमेशा नहीं रहता है। शिल्पा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर के एक दौर में उन्हें काम मिलना बंद हो गया था। कई बार ऐसा हुआ जब उन्हें फिल्म के लिए चुना गया, लेकिन बाद में प्रोड्यूसर्स ने उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया। लगातार मिल रही निराशा ने उन्हें परेशान जरूर किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2000 में आई फिल्म 'धड़कन' ने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहागया, और वह एक बार फिर चर्चा में आ गईं। इसके बाद उन्होंने 'रिश्ते', 'फिर मिलेंगे', 'दस' और 'लाइफ इन ए... मेट्रो' जैसी फिल्मों में काम किया। खासकर 'फिर मिलेंगे' में एचआईवी पीडित महिला के किरदार ने उनके अभिनय की नई पहचान बनाई। फिल्मों के साथ-साथ शिल्पा ने टीवी की दुनिया में भी अपनी मजबूत जगह बनाई। ब्रिटेन के चर्चित रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' में हिस्सा लेकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की। शो में नस्लीय टिप्पणियों का सामना करने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और विजेता बनकर उभरीं। इस जीत ने उन्हें दुनिया भर में लोकप्रिय बना दिया।

बंटवारे का खौफ और लोगों का दर्द समझा

कभी नौकरी ढूंढ रहे और एमबीए की तैयारी कर रहे वेदांग आज बॉलीवुड के चर्चित युवा चेहरों में गिने जाते हैं। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि स्टारडम, बॉक्स ऑफिस और सोशल मीडिया की दुनिया में कदम रखने के बाद भी उनकी सबसे बड़ी चिंता सफलता नहीं, बल्कि अवसर हैं।

हाल ही में बातचीत के दौरान वेदांग ने कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ा दबाव सफलता का नहीं, बल्कि अवसरों का है। मेरी बस यही दुआ रहती है कि मुझे लगातार काम मिलता रहे, फिल्में मिलती रहें और ऐसे मौके मिलते रहें, जिनसे मैं खुद को एक अभिनेता के तौर पर साबित कर सकूं। सफलता मिल जाए तो बहुत अच्छी बात है, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि कहीं मौके मिलने बंद न हो जाएं।'

बॉक्स ऑफिस भी कोई चीज होती है

आज जब फिल्मों की सफलता पहले दिन के कलेक्शन और वीकेंड नंबरों से तय होने लगी है, तो वेदांग स्वीकार करते हैं कि शुरुआत में उन्हें इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं थी। वह कहते हैं, 'जब मैंने 'द आर्चीज' की थी और उसके बाद 'जिगरा' की, तब मेरे लिए सबसे बड़ी बात यही थी कि मैं फिल्मों का हिस्सा बन गया हूं। लोग मुझे बड़े पर्दे पर देख सकते हैं। मुझे सच में यह नहीं पता था कि बॉक्स ऑफिस, ओपनिंग कलेक्शन और नंबर जैसी चीजें कितनी बड़ी होती हैं। मैं सिर्फ फिल्मों और अभिनय को लेकर उत्साहित था। हां, लेकिन पिछले कुछ साल में मेरी सोच बदली है। धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि यहां सक्सेस और बॉक्स ऑफिस नंबर्स को कितना महत्व दिया जाता है। शायद यही मेरा सबसे बड़ा बबल बर्स्ट था। लेकिन मैं आज भी कोशिश करता हूं कि खुद को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित न रखूं।'

इम्तियाज सर का नाम सुना और हां कर दी

अपनी अगली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के बारे में बात करते हुए वेदांग बताते हैं कि इस बार फैसला लेना उनके लिए मुश्किल नहीं था। बकौल वेदांग, 'जब मुझे पता चला कि इम्तियाज अली सर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं और मुझे इस किरदार के लिए देखा जा रहा है, तो मैंने लगभग उसी समय हां कह दी थी। मुझे न स्क्रिप्ट की जरूरत थी और न किसी दूसरी जानकारी की। मेरे पास सिर्फ फिल्म का आइडिया था, लेकिन इम्तियाज सर के साथ काम करने का मौका अपने आप में बहुत बड़ी बात थी।'

पगड़ी पहनी तो लगा कि बड़ी जिम्मेदारी है

इस फिल्म में वेदांग पहली बार एक सिख किरदार निभा रहे हैं। यही वजह है कि यह फिल्म उनके लिए कई स्तरों पर खास बन गई। वह कहते हैं, 'मेरे लिए यह सिर्फ एक नया लुक नहीं था, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी थी। पगड़ी पहनना और इस किरदार को निभाना बहुत खूबसूरत एहसास था। फिल्म 1940 के दशक के उस भारत की कहानी है, जब देश का बंटवारा नहीं हुआ था। मैं उस दौर के बारे में ज्यादा नहीं जानता था। लोग कैसे रहते थे? कैसे बात करते थे? उनका रहन-सहन कैसा था? ये सब जानना और समझना मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा। एक एक्टर के तौर पर मुझे उस दुनिया को करीब से जानने और उसे जीने का मौका मिला, जिसमें मुझे बहुत मजा आया।'

बंटवारे पर बनी फिल्म की तैयारी के दौरान वेदांग ने उस दौर और उससे जुड़ी कहानियों को करीब से समझा। वो कहते हैं, 'इस फिल्म की शूटिंग के दौरन मैंने पार्टिशन के बारे में बहुत कुछ सीखा। इससे पहले मैंने सिर्फ अपने माता-पिता, नाना-नानी और परिवार के लोगों से कहानियां सुनी थीं। लेकिन फिल्म की रिसर्च के दौरान मुझे बंटवारे का खौफ, लोगों का दर्द और उस दौर की तकलीफ को समझने का मौका मिला। एक अभिनेता के तौर पर भी यह मेरे लिए बहुत जरूरी था।'

कभी किसी का बेटा तो कभी रिश्तेदार बना देते हैं

इंटरनेट की दुनिया में अफवाहों से बचना मुश्किल है। हालांकि वेदांग इन्हें बहुत गंभीरता से नहीं लेते। वह कहते हैं, 'मैं अपने बारे में फैली ज्यादातर अफवाहों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता, लेकिन कभी-कभी कुछ बातें बहुत फनी होती हैं। सबसे मजेदार तब लगता है जब लोग मुझे अलग-अलग फिल्मी परिवारों से जोड़ देते हैं। कोई कहता है मैं किसी का बेटा हूं, कोई किसी और से मेरा रिश्ता निकाल देता है। इनमें से ज्यादातर बातें पूरी तरह गलत होती हैं, लेकिन उन्हें पढ़कर कभी-कभी हंसी जरूर आ जाती है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।